दैनिक
सामुदायिक प्रेषण
कलम की ताकत और जनता का विश्वास
क्षेत्र का अग्रणी मीडिया समूह
● जयपुर से प्रकाशित ● खबरों में निरन्तरता , निष्पक्षता और निड़रता ● RNI.NO - RJHIN/25/A3277
वर्ष : 1 | अंक : 117 | हिन्दी | दैनिक | सोमवार 2 मार्च 2026 | कुल पृष्ठ - 4 / पीडीएफ - 6 | संपादक - ओमप्रकाश जागिड़

सुविचार

जब नीयत साफ होती है तो मुश्किलें भी छुपे हुए वरदान की तरह जिंदगी बदल देती हैं '।

न्यूज विंडो

राजस्थान बीजेपी ने जारी की प्रदेश कार्यसमिति

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बने सदस्य, जाने किसे मिला मौका

जयपुर।

राजस्थान में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा कर दी है। नई कार्यसमिति में कई वरिष्ठ नेताओं को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है, जबकि सभी जिलों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी, सतीश पूनियां, सीपी जोशी, गजेंद्र सिंह शेखावत, भूपेंद्र यादव, अर्जुन मेघवाल, भागीरथ चौधरी, रवनीत सिंह बिट्टू और राजेंद्र राठौड़ को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। जयपुर शहर से सुमन शर्मा, सुनील कोठारी, रणजीत सोडाला और ज्योति खंडेलवाल को सदस्य बनाया गया है। जयपुर दक्षिण से प्रोमिला कुंडारा और जयपुर उत्तर से रत्ना कुमारी को कार्यसमिति में स्थान दिया गया है। इसी तरह बीकानेर शहर से गोपाल गहलोत और सत्यप्रकाश आचार्य, बीकानेर देहात से कुंभाराम सिंह और जालिम सिंह भाटी को शामिल किया गया है। श्रीगंगानगर से महेश पेड़ीवाल और संतोष बावरी, जबकि हनुमानगढ़ से दमयंती बेनीवाल और भारत भूषण शर्मा को सदस्य बनाया गया है। जबकि झुंझुनूं से संतोष अहलावत, राजवीर सिंह और विशंभर पूनिया को सदस्य बनाया गया है। वहीं सीकर से हरिराम रणवां और सुमेधानंद सरस्वती, दौसा से लोकेश शर्मा और महावीर रलावता तथा भरतपुर से धर्म सिंह और भानु प्रताप सिंह को प्रदेश कार्यसमिति में शामिल किया गया है। बीजेपी की इस नई कार्यसमिति में हर जिले से प्रतिनिधित्व देकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति साफ नजर आ रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में संगठनात्मक बैठकों और कार्यक्रमों के जरिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका में लाया जाएगा।

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर 24 घंटे में 1200 बम गिराए, सुप्रिम लीडर खामेनेई की मौत

इजराइल के तेल अवीव में मिसाइल के टकराने से जोरदार विस्फोट हुआ।

ईरान की राजधानी तेहरान में सुप्रीम लीडर खामेनेई के घर के पास हमला हुआ।

बेटी-दामाद, बहू-पोती के भी मारे जाने की पुष्टि, ईरान बोला- खतरनाक बदला लेंगे

तेल अवीव तेहरान / एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और अमेरिका ने पिछले 24 घंटे में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इजराइली वायुसेना ने यह जानकारी दी है। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है।

खामेनेई के ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे।

इजराइल के प्रधानमंती नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'तसनीम' और 'फार्स' ने इसकी पुष्टि की।

इधर ईरानी सेना ने कहा कि वह सबसे खतरनाक अभियान की शुरुआत करने जा रही है। ईरान ने इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के कई देशों में हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल में एक हमले में 8 लोगों की मौत हो गई है।

ईरान में 200 की मौत, 740 घायल

इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे।

यूरोप में ईरान की जवाबी कार्रवाई की आशंका

अमेरिका और इजराइल के हमलों में खामेनेई की मौत के बाद जर्मन अधिकारियों ने यूरोप में संभावित जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। जर्मनी की संसदीय खुफिया निगरानी समिति के प्रमुख मार्क हेनरिखमैन ने कहा कि ईरान समर्थित स्लीपर सेल या नेटवर्क यूरोप में सक्रिय हो सकते हैं। उन्होंने एक जर्मन अखबार से कहा कि ईरानी शासन पहले भी अपनी सीमाओं के बाहर आतंकी गतिविधियां अंजाम देता रहा है। वहीं, जर्मनी के एंटीसेमिटिज्म कमिश्नर फेलिक्स क्लाइन ने आशंका जताई कि देश में यहूदी और इजराइली संस्थानों के खिलाफ खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने नेटवर्क का इस्तेमाल कर आतंकी हमले करा सकता है। फिलहाल किसी विशेष हमले की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जर्मनी और यूरोप में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

वहीं, खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा, 'हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है।'

पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर हमला, 12 मौतें

यूएन ऑफिस में आग लगाई; कतर-दुबई में धमाके, भारत में 350+ फ्लाइट कैंसिल

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हवाई हमला जारी है। ईरान भी इजराइल और मिडिल ईस्ट के 8 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर रहा है। रविवार सुबह ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत की पुष्टि हुई। इसके विरोध में पाकिस्तान के कराची में हजारों शिया मुसलमानों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया। इजराइल-अमेरिका के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों की फायरिंग में 12 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। कई युवक घायल भी हुए।

पाकिस्तान के ही स्कर्दू में प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस के ऑफिस में आग लगा दी । ईरान का मिडिल ईस्ट के राज्यों पर लगातार हमला जारी है। रविवार सुबह से कतर, दुबई, अबू धाबी में मिसाइल-ड्रोन से अटैक किये। कतर में मौजूद भारतीयों ने हमले के वीडियो भी शेयर किए ।

जयपुर में धुलंडी पर 9 घंटे बंद रहेगी मेट्रो

जयपुर।

जयपुर में धुलंडी के दिन 3 मार्च को जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की यात्री सेवाएं आंशिक रूप से बंद रहेंगी। जयपुर मेट्रो प्रशासन ने बताया कि निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार सुबह 5 बजकर 20 मिनट से दोपहर 2 बजे बजे तक मेट्रो ट्रेनें संचालित नहीं होंगी। इसके बाद दोपहर 2 बजकर 10 मिनट से रात 10 बजकर 21 मिनट तक मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलेंगी। इसके साथ ही मेट्रो प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे त्योहार का आनंद लें, लेकिन मेट्रो परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में रंग खेलने या हुड़दंग करने से बचें। मेट्रो में गुलाल, रंग, पानी से भरी पिचकारियां, गुब्बारे और बोतलें ले जाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। रंग से सने कपड़ों के साथ प्रवेश भी वर्जित रहेगा। नशे की हालत में मेट्रो परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ऐसा करने पर मेट्रो रेलवे ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस एक्ट, 2002 के तहत मेट्रो ट्रेनों और परिसरों को गंदा करने पर जुर्माने का प्रावधान है। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

होली पर आमजन को महंगाई की मार

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 27.50 रुपए महंगा, 3 महीने में 188 रुपए बढ़े

जयपुर।

होली के त्योहार पर आमजन को महंगाई का झटका लगा है। बीती रात पेट्रोलियम कंपनियों ने एलपीजी गैस की कीमतों का रिव्यू करने के बाद कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कंपनियों ने सिलेंडर की कीमतों में 27.50 रुपए की बढ़ोतरी की है। इस साल में लगातार तीसरा महीना है जब कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया कि कंपनियों की ओर से जारी रेट लिस्ट के मुताबिक राजस्थान में आज से 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 27.50 रुपए बढ़ने के बाद 1769 रुपए की जगह 1796.50 रुपए में मिलेगा। जबकि पिछले महीने फरवरी में कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 49.50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की थी। इससे पहले जनवरी में कंपनियों ने 111 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ाए थे। इस तरह इस साल कॉमर्शियल सिलेंडर पर अब तक 188 रुपए बढ़ चुके है।

कांग्रेस सांसद बोले-शिवचरण माथुर आज सरपंच भी नहीं बन पातेः

जयपुर

कांग्रेस सांसद नेता हरीश मीणा ने कहा-आज की राजनीति में हालात ऐसे हो गए हैं कि शिवचरण माथुर जैसे नेता सरपंच तक नहीं बन पाते। मीणा ने कहा कि आज विधायक और सांसद बनते ही कोठियां और फार्म हाउस खड़े हो जाते हैं। आज पंचायत स्तर तक जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति होती है। सरपंच बनने के लिए जाति पूछी जाती है, आपकी जाति के वोटों के बारे में पूछा जाता है। आप ही बताइए, आखिर कौन-सी पंचायत से आज शिवचरण माथुर सरपंच बन पाते। उन्होंने कहा कि राजस्थान पहले अलग था और उसी तरह के नेता भी हुआ करते थे। सांसद हरिश मीणा ने रविवार को जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु-पुडुचेरी में शुरू किए 7,100 करोड़ के प्रोजेक्ट्स

विकसित भारत में तमिलनाडु का अहम योगदान : पीएम मोदी

एजेंसी

चेन्नई। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को पुडुचेरी और तमिलनाडु पहुंचे। पुडुचेरी में उन्होंने 2700 करोड़ और तमिलनाडु में 4,400 करोड़ रुपए से ज्यादा के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। साथ ही तमिलनाडु में ही आठ नए बने अमृत भारत रेलवे स्टेशनों, तीन नए आकाशवाणी एफएम रिले ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया।

इसके बाद मोदी ने मदुरै में सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा, तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है।

इसके बाद पीएम मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भी गए। वहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और दंडवत प्रणाम किया। मंदिर के पुजारियों ने पीएम को भगवान की तस्वीर भेंट की। तमिलनाडु एक तटीय राज्य है और इसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं। लेकिन जब कांग्रेस और डीएमके पहले सत्ता में थीं, तब वे निष्क्रिय थीं। मदुरवॉयल कॉरिडोर रुका रहा, थूथुकुडी ट्रांसशिपमेंट सिर्फ कागजों पर ही रह गया। 2014 के बाद हमें चेन्नई बंदरगाह मिला। हमने बंदरगाह और मदुरवॉयल एलिवेटेड कॉरिडोर को पुनर्जीवित किया। हमने कामराजा और चेन्नई बंदरगाह को एकीकृत करके भारत का पहला पोर्ट क्लस्टर बनाया। डीएमके न तो गरीबों के लिए काम करती है और न ही दूसरों को काम करने देती है।

तमिलनाडु की महिलाएं गंभीर संकट में

हाल ही में मैंने सुना कि डीएमके के किसी व्यक्ति ने कहा कि उन्हें मेरे पिता या मुझसे डर नहीं लगता। मैं यह बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि लोकतंत्र में कोई किसी से नहीं डरता। इसलिए, जब कोई कहता है कि उन्हें मुझसे डर नहीं लगता, तो वे मेरी आलोचना नहीं कर रहे हैं; बल्कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति मेरी प्रतिबद्धता की सराहना कर रहे हैं। आज तमिलनाडु की महिलाएं गंभीर संकट में हैं। अपराध बढ़ रहा है। लगभग हर दूसरे दिन महिलाओं के खिलाफ किसी न किसी अपराध की खबर सुनने को मिलती है। इसके अलावा, महिलाएं अपने परिवारों को ड्रग माफिया और शराब के चंगुल में बर्बाद होते देख रही हैं। उन्हें याद आता है कि अम्मा के समय उनका जीवन कितना बेहतर था।

ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे और दामाद को कुचला, मौत

कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे, घर पहुंचे से पहले हुआ हादसा

बांसवाड़ा

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा में तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे और दामाद को कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौत हो गई। दामाद अपनी सास और साले के साथ किसी कार्यक्रम में गया था। तीनों शाम को एक बाइक पर बैठकर घर लौट रहे था। तभी सामने से आ रहे ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है।

घटना कलिंजरा थाना क्षेत्र में दाहोद- बांसवाड़ा मार्ग पर रविवार शाम करीब 7 बजे हुई। पुलिस को ट्रेलर को जब्त कर लिया है, जबकि ड्राइवर फरार हो गया।

कलिंजरा थानाधिकारी योगेश कुमार ने बताया- हादसा रविवार शाम करीब 7 बजे हुआ। भुरजी (40) पुत्र गवजी, निवासी पड़ारिया, अपनी सास चंपा पत्नी दिता और साले पंकज(18) निवासी घाटी गढ़ा को बाइक पर लेकर सदर क्षेत्र के सामरिया में कार्यक्रम में गया था। तीनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। तीनों शवों को जिला हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। थानाधिकारी का कहना है कि ट्रेलर दाहोद से बांसवाड़ा की तरफ आ रहा था। फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

जीटो टाउन रिप्रजेन्टेटिव नेशनल कॉन्क्लेव एवं विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 कार्यक्रम

कर्तव्य बोध को रखें सर्वोपरि : भजनलाल शर्मा

जयपुर

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए आध्यात्मिक चेतना महत्वपूर्ण है। इस दिशा में जैन समुदाय की 'ध्यान, तपस्या एवं आत्मचिंतन की परंपरा' ने पूरे विश्व का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और इसमें जैन सहित सभी समाजों की साझेदारी आवश्यक है।

शर्मा रविवार को जयपुर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) टाउन रिप्रजेन्टेटिव नेशनल कॉन्क्लेव एवं विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि

'मूल्य आधारित नेतृत्व, सामाजिक एकता एवं आध्यात्मिक चेतना' भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। हमें अपने निर्णयों में ईमानदारी, पारदर्शिता, जनसेवा एवं नैतिकता को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील होकर कर्तव्यबोध को सर्वोपरि रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज ने सदियों से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को आगे बढ़ाया है। अहिंसा, करुणा एवं सत्य के मूल्यों के आधार पर भारतीय सभ्यता के निर्माण में अतुलनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी की अहिंसा की शिक्षा और प्राचीन काल से चली आ रही ज्ञान परंपरा के माध्यम से जैन दर्शन ने 'जियो और जीने दो' का अमर संदेश दिया है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। वर्ष 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी, जो आज चौथे स्थान पर पहुंच गई है और शीघ्र ही तीसरे स्थान हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि जैन समाज का देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही, सामाजिक क्षेत्र में भी समाज ने अनुकरणीय कार्य किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवकार महामंत्र दिवस 2.0 का आज शुभ कार्यक्रम है। नवकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मंत्र नहीं है, बल्कि यह समस्त मानवता को अहिंसा, करुणा, ज्ञान एवं आत्मशुद्धि का मार्ग दिखाने वाला सार्वभौमिक संदेश है। उन्होंने नवकार महामंत्र की दिव्य ऊर्जा से विश्व में शांति, सद्भाव एवं कल्याण का मार्ग प्रशस्त होने की मंगलकामना की।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 के प्रचार-प्रसार के लिए रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में जीटो अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित विभिन्न चैप्टर्स के पदाधिकारीगण और बड़ी संख्या में महिला एवं युवा उद्यमी उपस्थित रहे।

होलीः आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

ललित गर्ग

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी।

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मयार्दा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें।

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्र ाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्र ाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व

फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें।

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। बुरा न मानो होली है का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मयार्दा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। नया भारत और विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं।

नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

नि ित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मयार्दा का उल्लंघन नहीं, मयार्दा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

किताब पर 'सुप्रीम' पाबंदी

सर्वोच्च अदालत ने एक किताब पर 'पूर्ण प्रतिबंध' (ब्लैंकेट बैन) का आदेश दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का अध्याय संकलित था। किताब 8वीं कक्षा में सामाजिक विज्ञान के तौर पर पढ़ाई जानी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्' (एनसीईआरटी) ने छापी थी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत समेत अन्य न्यायाधीश भी बहुत कुपित हुए और इस अध्याय को शामिल करने को 'गहरी साजिश' करार दिया। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि एनसीईआरटी ने गोली चला दी है और न्यायपालिका लहूलुहान है। यह महज एक गलती नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा गिराने और युवाओं के भीतर जहर भरने की एक 'सोची-समझी साजिश' लगती है। संस्था के निदेशक ने गलती मानने के बजाय लिखित में इन विवादित अंशों का बचाव किया है। यह और भी गंभीर है। हम पता लगाएंगे। सिर तो कटेंगे, हम गहरी जांच करेंगे। हम न्यायपालिका सरीखे संवैधानिक संस्थान को इस तरह बदनाम नहीं होने देंगे। न्यायपालिका पर आज भी करोड़ों लोगों का विश्वास, भरोसा है। उसे टूटने कैसे दिया जा सकता है?' इसी के साथ न्यायिक पीठ ने किताब के फिजिकल या डिजिटल, हार्ड या सॉफ्ट और वेब पोर्टल आदि सभी प्रारूपों और संस्करणों को जब्त करने का आदेश दिया है। किताब की जो 38 प्रतियां बिक चुकी हैं, उन्हें भी हासिल कर जब्त किया जाए। न्यायिक पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी और केंद्रीय स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कराए हैं। वे 11 मार्च को अदालत में मौजूद रहेंगे। सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा है कि क्यों न निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए? अदालत ने जो आदेश दिया है, उसकी अनुपालना रपट दो सप्ताह में जमा करानी होगी। सामाजिक विज्ञान की ऐसी किताब और उसमें न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की खबर सामने आई, तो कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी गुस्सा जताते हुए सवाल किया-यह हम क्या पढ़ा रहे हैं? कौन देख रहा है यह सब? ऐसी सामग्री का अनुमोदन कौन कर रहा है? किसी को तो जवाबदेह ठहराना चाहिए। प्रधानमंत्री की यह सख्त टिप्पणी, हालांकि, सूत्रों के हवाले से सार्वजनिक हुई है। बहरहाल किताब के विवादित अध्याय में लिखा गया है कि सर्वोच्च अदालत में करीब 81,000 मुकदमे लंबित हैं, जबकि देश के उच्च न्यायालयों में यह आंकड़ा करीब 62.40 लाख है। 2017-21 के दौरान भ्रष्टाचार की करीब 1600 शिकायतें दर्ज की गईं। प्रधान न्यायाधीश के दफ्तर को जो शिकायतें मिलीं, वे अलग हैं। 2016-25 के दौरान न्यायाधीशों के खिलाफ 8639 शिकायतें मिलीं, यह कानून मंत्रालय ने संसद में खुलासा किया है। क्या ये शिकायतें ही भ्रष्टाचार की प्रमाण हैं अथवा यह व्यवस्था का गंभीर सवाल है?

चिंतन-मनन

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा।

रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा।

पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मनस्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

इजरायल- ईरान का छद्म युद्ध से क्या पश्चिम एशिया में बढ़ेगा तनाव?

सौरभ वार्ष्णेय

प ि म एशिया लंबे समय से अस्थिरता का केंद्र रहा है, और इस अस्थिरता की एक प्रमुख धुरी है इजरायल और ईरान के बीच चल रहा छद्म युद्ध। यह टकराव प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय परोक्ष हमलों, साइबर हमलों, खुफिया अभियानों और क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से लड़ा जाता रहा है। अब आशंका जताई जा रही है कि यह छद्म संघर्ष खुली सैन्य भिड़ंत का रूप ले सकता है, जिससे पूरे प ि म एशिया में तनाव भड़क सकता है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध भले ही कम देखने को मिला हो, लेकिन विभिन्न मोर्चों पर अप्रत्यक्ष टकराव लगातार जारी रहा है। यही कारण है कि क्षेत्र में किसी भी छोटी घटना के बड़े संघर्ष में बदलने की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टकराव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे प ि म एशिया पर पड़ सकता है। यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों का केंद्र है। इसलिए किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

दरअसल, इजरायल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता रहा है। वहीं ईरान भी इजरायल की नीतियों और प ि मी देशों के साथ उसके गठजोड़ की खुलकर आलोचना करता रहा है। इस वैचारिक और सामरिक टकराव ने दोनों देशों के रिश्तों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखा है।

ईरान और इजरायल के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरे हैं। इजरायल जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है, वहीं ईरान इजरायल की क्षेत्रीय नीतियों का विरोध करता है। सीरिया, लेबनान और गाजा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का प्रभाव टकराता रहा है। लेबनान में सक्रिय हिज्बुल्लाह और गाजा में हमास जैसे संगठनों को लेकर इजरायल और ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप और हमलों का सिलसिला चलता रहा है।

हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच साइबर हमलों, ड्रोन हमलों और गुप्त अभियानों की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि दोनों पक्ष अक्सर प्रत्यक्ष जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते, लेकिन क्षेत्रीय विशेषज्ञ इसे श्शैडो वॉरश् यानी छद्म युद्ध की संज्ञा देते हैं।

यदि यह संघर्ष खुलकर सामने आता है तो इसका प्रभाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। प ि म एशिया वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। किसी भी बड़े सैन्य टकराव से तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक बाजारों में अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट पैदा हो सकता है। इसके अलावा अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, जिससे संघर्ष का दायरा और व्यापक हो सकता है।

ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और संवाद की है। क्षेत्र पहले ही सीरिया, यमन और गाजा जैसे संघर्षों से प्रभावित है। एक और बड़े युद्ध की संभावना पूरे क्षेत्र को दीर्घकालिक अस्थिरता की ओर धकेल सकती है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी छद्म युद्ध यदि भड़कता है, तो इसका असर केवल प ि म एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा पड़ेगा। कूटनीतिक प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए ही इस संभावित संकट को टाला जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था भी हो सकती है प्रभावित

आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका असर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तक फैल जाता है। वैश्विक राजनीति, व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बढ़ते तनाव के बीच यह आशंका और भी प्रबल हो गई है कि यदि बड़े देशों के बीच टकराव या आर्थिक प्रतिबंधों की स्थिति बनती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा ढांचे पर पड़ सकता है।

हाल के वर्षों में विश्व ने कई उदाहरण देखे हैं। जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा, खाद्यान्न और आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर रूप से प्रभावित किया। यूरोप में गैस संकट गहराया और दुनिया भर में महंगाई बढ़ी। इसी तरह प ि म एशिया में बढ़ते तनाव ने तेल की कीमतों को अस्थिर बना दिया, जिससे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अब आपूर्ति श्रृंखलाओं और तकनीकी सहयोग पर निर्भर है। यदि बड़े देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबंध या आर्थिक प्रतिस्पर्धा तेज होती है, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच देखने को मिलता है, तो इसका असर पूरी दुनिया के बाजारों पर पड़ता है। चिप निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक आर्थिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

इसके साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होती है। जब देशों के बीच अविश्वास बढ़ता है तो सैन्य खर्च बढने लगता है और कूटनीतिक संवाद कमजोर पड़ जाता है। कई देश अपने-अपने सैन्य गठबंधनों को मजबूत करने लगते हैं, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव आता है। यह स्थिति लंबे समय में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है।

ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और बहुपक्षीय संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त प्रयासों से ही आर्थिक स्थिरता बनाए रखी जा सकती है और सुरक्षा संबंधी तनाव को कम किया जा सकता है। दुनिया के बड़े देशों को यह समझना होगा कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद सहयोग ही स्थायी विकास और वैश्विक शांति का आधार बन सकता है।

स्पष्ट है कि यदि वैश्विक तनाव बढ़ता है तो उसका प्रभाव केवल राजनीतिक या सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था दोनों पर दूरगामी असर पड़ सकता है। इसलिए संतुलित कूटनीति, आर्थिक सहयोग और पारदर्शी संवाद ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नया बीज बिल- 2026: किसानों के हक और बीज की क्वालिटी के लिए नई दिशा

सुनील कुमार महला

भा रत दुनिया के खेती-बाड़ी वाले देशों में से एक है। यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की एक बड़ी आबादी अभी भी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। अनुकूल मौसम, उपजाऊ मि ी और अलग-अलग भौगोलिक हालात कई तरह की फसलों की खेती के लिए सही हैं। गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तिलहन, कपास और मसाले जैसी फसलें न सिर्फ देश की खाने की जरूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि एक्सपोर्ट के जरिए विदेशी मुद्रा कमाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। खेती-बाड़ी का सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लाखों लोगों को रोजगार देता है। इसके अलावा, पशुपालन, डेयरी फार्मिंग, मछली पालन और बागवानी जैसे सहायक सेक्टर किसानों की इनकम बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। समय-समय पर लागू की गई सरकारी योजनाएं और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल खेती को ज्यादा प्रोडक्टिव, फायदेमंद और टिकाऊ बनाने में मदद कर रहा है। इस तरह, खेती न सिर्फ रोजी-रोटी का जरिया है, बल्कि भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अहम हिस्सा भी है।

इस संदर्भ में, भारत सरकार एक नया सीड्स बिल, 2026 लाने की तैयारी कर रही है, जिसका मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े सुधार लाना है। यह पुराने सीड्स एक्ट, 1966 की जगह लेगा। अभी, सीड इंडस्ट्री में टेक्नोलॉजी में तरक्की और मल्टीनेशनल कंपनियों के बढ़ते असर की वजह से, पुराना कानून काफी नहीं माना जा रहा है। सरकार का मकसद किसानों को मजबूत कानूनी सुरक्षा देना, सीड मार्केट में ट्रांसपेरेंसी लाना और कॉर्पोरेट कंपनियों की मनमानी पर असरदार कंट्रोल करना है। कृषि मंत्रालय ने किसान संगठनों, सीड इंडस्ट्री और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेने के बाद इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, इसे पार्लियामेंट के मौजूदा सेशन में पेश करने और जल्द से जल्द पास करने का प्लान है।

नए कानून का बैकग्राउंड 2015-16 के बीटी कॉटन विवाद से जुड़ा है। जैसा कि पाठक जानते हैं, रॉयल्टी को लेकर अमेरिकी कंपनी मोनसेंटो और भारतीय सीड कंपनियों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था। मोनसेंटो अपनी टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज्यादा रॉयल्टी ले रही थी, जिससे सीड की कीमतें बढ़ गईं और किसानों पर एक्स्ट्रा फाइनेंशियल बोझ पड़ा। भारत सरकार ने बीटी कॉटन के बीजों के लिए एक सीलिंग प्राइस और रॉयल्टी में कमी का ऑर्डर दिया। कंपनी ने इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चैलेंज किया, और मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। इस कानूनी लड़ाई से पता चला कि पुराना कानून मल्टीनेशनल कंपनियों की पावर को कंट्रोल करने और बीज की कीमतों और क्वालिटी पर सरकार के अधिकार को साफ करने में कमजोर था। असल में, इसी स्थिति ने नए सीड्स बिल का आधार बनाया।

प्रस्तावित सीड्स बिल 2026 सभी बीजों का सरकारी रजिस्ट्रेशन जरूरी बनाता है, और बिना सरकारी मंजूरी के कोई भी बीज बाजार में नहीं बेचा जाएगा। पुराने कानून के तहत, कंपनियां अपने बीजों को असली लेबल वाली कैटेगरी में बिना किसी सख्त रजिस्ट्रेशन जरूरत के बेच सकती थीं, लेकिन अब यह तरीका खत्म कर दिया जाएगा। नया कानून बीजों के लिए साफ क्वालिटी स्टैंडर्ड तय करेगा। अगर कोई बीज खराब निकलता है और फसलों को नुकसान पहुंचाता है, तो संबंधित कंपनी को किसानों को हजार्ना देना होगा। यह कहना सही होगा कि इससे किसानों को सीधे कानूनी अधिकार मिलेंगे।

इसके अलावा, बिल में एक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और एक नेशनल सीड रजिस्टर का भी प्रावधान है। इससे यह पक्का होगा कि हर बीज की वैरायटी, बनाने वाले और मालिक की जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में सुरक्षित रहे। इससे नकली और घटिया बीजों की बिक्री रुकेगी और बीज की चोरी और गुमराह करने वाले दावों पर कंट्रोल होगा। बिना रजिस्टर्ड बीज बेचने, क्वालिटी स्टैंडर्ड का उल्लंघन करने या गलत जानकारी देने वाली कंपनियों के लिए सख्त सजा और भारी जुमार्ने का भी प्रावधान किया गया है। बीज की कीमत और क्वालिटी कंट्रोल में सरकार की भूमिका को और मजबूत और साफ किया जाएगा, जिससे बड़ी कंपनियाँ मनमानी रॉयल्टी या बहुत ज्यादा कीमत वसूल नहीं कर पाएँगी।

असल में, सरकार ने यह भी साफ किया है कि किसानों को पारंपरिक बीजों के लिए बिना किसी रजिस्ट्रेशन की जरूरत के अपने बीज बदलने और बेचने की आजादी बनी रहेगी। कुल मिलाकर, नया सीड्स बिल 2026 एक जरूरी और बड़ा कानूनी सुधार है जो किसानों को मुआवजा, बीज बाजार में ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी एश्योरेंस और कॉर्पोरेट कंट्रोल पर रोक का अधिकार पक्का करता है।

अच्छी खबर यह है कि नकली बीजों की वजह से पैसे का नुकसान और मानसिक तनाव झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए कानूनी नियमों को मजबूत किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रस्तावित बिल में नकली बीज बेचने पर 30 लाख रुपये तक का जुमार्ना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान है। इसके अलावा, सरकार बीजों की कीमत और क्वालिटी को रेगुलेट करेगी, जिससे कंपनियां किसानों से मनमानी कीमतें नहीं वसूल पाएंगी।

नकली बीजों के साथ-साथ नकली खाद की समस्या भी लंबे समय से है। बीज बनाने वालों की तरफ से दिए जाने वाले बीजों की क्वालिटी खराब होने से यह समस्या और बढ़ गई है। मौजूद डेटा के मुताबिक, पिछले पांच सालों में देश में 250,000 से ज्यादा किसान नकली बीजों की वजह से परेशान हुए हैं। फसल खराब होने से मेंटल स्ट्रेस बढ़ा है और सुसाइड की खबरें भी आई हैं। असल में, एक साल में फसल खराब होने का खामियाजा किसानों को अगले चार से पांच साल तक भुगतना पड़ता है। कर्ज का बोझ भी बढ़ जाता है। देश में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां नकली खाद और बीजों का धंधा न हो।

जैसा कि एक जाने-माने हिंदी अखबार ने लिखा, सरकार ने लोकसभा में माना है कि साल 2024-25 में टेस्ट किए गए 2.5 लाख सैंपल में से 32,525 बीज नकली पाए गए। मार्केट में कितनी बड़ी मात्रा में नकली खाद और बीज पहुंच रहे हैं, इसका सही डेटा मौजूद नहीं है। किसानों को तब पता चलता है जब उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। हिंदी अखबार यह भी साफ-साफ कहता है, चाहे महाराष्ट्र में नकली कपास के बीजों से प्रभावित किसानों का मामला हो या आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और मध्य प्रदेश में छापे के दौरान जब्त किए गए नकली खाद और बीजों का मामला हो-कमजोर कानून व्यवस्था हर जगह दोषियों को बचा रही है। हर साल हजारों परिवार इस समस्या से प्रभावित होते हैं, क्योंकि फसल खराब होने से कर्ज बढ़ जाता है और परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाते हैं।

यह भी चिंता की बात है कि हाल के सालों में छापे कम हुए हैं, और दोषियों को सजा भी काफी कम मिली है। असरदार मॉनिटरिंग की कमी के कारण, संबंधित एजेंसियां अक्सर लापरवाही के लिए किसानों को ही दोषी ठहराती हैं। यह बात कि नकली बीजों के बारे में सिर्फ एक-तिहाई शिकायतों पर ही कार्रवाई हुई है, इस स्थिति का सबूत है।

आखिरकार, बुनियादी सवाल किसानों की सुरक्षा और भरोसे का है। सिर्फ कानून बनाना काफी नहीं है, उन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। किसानों का भरोसा तभी वापस लाया जा सकता है जब एक पारदर्शी जांच सिस्टम, तुरंत मुआवजा देने का सिस्टम और दोषियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई हो। नहीं तो, एग्रीकल्चर सेक्टर और किसानों के सामने जो संकट है, उसे हल करना मुश्किल होगा।

प्रतापगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 3 साल से फरार दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

धरियावद (प्रतापगढ़)। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में प्रतापगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। धरियावद थाना पुलिस ने विगत 3 वर्षों से फरार चल रहे दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा और पुलिस उपाधीक्षक नाणालाल के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम द्वारा की गई।

क्या था मामला? – घटना 8 जून 2022 की है। पीड़ित नागेश (26), निवासी पांचागुड़ा, ने पुलिस को बताया था कि पुरानी रंजिश के चलते अरविंद कोटेड नामक व्यक्ति ने उसे फोन कर गुमानपुरा बुलाया था। वहां पहुंचने पर अरविंद और उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने लकड़ी, लात-घूंसों से नागेश पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। इस मामले में धरियावद थाने में प्रकरण संख्या 242/2022 के तहत धारा 143, 341, 323 और 392 दृष्ट में मामला दर्ज किया गया था।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण – पुलिस टीम ने दबिश देकर गुमानपुरा निवासी निम्नलिखित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो साल 2022 से ही पुलिस की गिरफ्त से दूर थे:

राजीव पुत्र सुरेश मीणा (निवासी गुमानपुरा)

नन्दलाल पुत्र कन्हैयालाल मीणा (निवासी गुमानपुरा)

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम – इस सफल ऑपरेशन में आरपीएस प्रशिक्षु राहुल गोयल, सेजल शेखावत, सुहासी जैन सहित धरियावद थानाधिकारी हजारीलाल मीणा, हेड कांस्टेबल अब्दुल कादिर, भीमराज और कांस्टेबल रमेशचंद्र व शिवलाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षक का सम्मान जनसेवक से भी बढ़कर, तीन दशक की सरकारी सेवा का तीस किलो की माला पहनाकर कर किया नागरिक अभिनंदन

प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली को अभिनंदन में लग्जरी गाड़ी सहित मिलें अनेक उपहार

सामुदायिक प्रेषण

लक्ष्मणगढ़ । जनप्रतिनिधि, राजनेता व जनसेवक का सम्मान अभिनंदन उनके समर्थकों की ओर से मौके-बेमौके अक्सर होता देखा,सुना पढा गया। लेकिन लक्ष्मणगढ़ में भी एक शिक्षक का सम्मान साथी शिक्षकों व उनके सहयोगी साथियों की ओर से किया गया जो न केवल यादगार बना अपितु ऐतिहासिक भी रहा। सम्मान भी ऐसा कि मंचस्थ अतिथियों ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक का ऐसा सम्मान जनप्रतिनिधियों, राजनेताओं व जनसेवकों की तरह होना लोकप्रियता का प्रमाण है, कार्य के प्रति निष्ठा,लगन मेहनत का जीवंत उदाहरण है। जी हां हम बात कर रहे है राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 9 लक्ष्मणगढ़ के प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली के द्वारा तीन दशक की राजकीय सेवा पूर्ण करने पर विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह की।शिक्षाविद, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व प्रबुद्ध जनों की की उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली का साफा पहनाकर,शाल ओढ़ाकर, श्रीफल व प्रतिक चिन्ह भेंट कर 30 किलों की माला पहनाकर व अभिनंदन पत्र भेंट किया। इस अवसर पर शिक्षण संस्थानों, सामाजिक व सार्वजनिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण कर साफा पहनाकर,शाल ओढ़ाकर व प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली की धर्मपत्नी श्रीमती संतरा देवी पिताश्री नागरमल, माताश्री श्रीमती मणी देवी का भी विद्यालय परिवार की ओर से माल्यार्पण व गुलदस्ता भेंट कर, साफा पहनाकर,शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। समारोह में शिक्षाविद नरेंद्र दाधीच, रामनिवास शर्मा, रिछपाल सिंह मील, युसूफ अली, पत्रकार बाबूलाल सैनी, शिव भगवान गौरा, गोविंद राम जांगिड़ ने संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली के द्वारा शिक्षा व सामाजिक क्षेत्रों में किए कार्यो के बारे विस्तार से बताते हुए उन्हें समर्पित व आदर्श शिक्षक बताया तथा सामाजिक क्षेत्र किए जा रहे कार्यों की सराहना की। अपने अभिनंदन से अभिभूत प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली ने समारोह में अपने संस्मरण सुनाते हुए की गई सेवाओं के दौरान स्वंय की प्रेरणा व प्रेरक के रूप में दानदाताओं की ओर से विधार्थियों के लिए शिक्षा सामग्री व स्कूलों में भौतिक संसाधनों व निर्माण कार्य के लिए किए गए आर्थिक सहयोग के लिए भामाशाहों, दानदाताओं व संगठनों का स्मरण करते हुए उनका आभार जताते हुए स्वयं की ओर से स्कूल में विधार्थियों के लिए फर्नीचर देने की घोषणा की ।

कार्यक्रम का संचालन कैलाश शर्मा व राजेश बिंवाल ने किया जबकि विद्यालय के शारीरिक शिक्षक विनोद कुमार शिवरान ने आभार जताया। समारोह में महेंद्र कुमार माली, श्रीमती संतरा देवी, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक रिछपाल सिंह, सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक रामनिवास शर्मा, सेवा निवृत्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मणगढ़ नरेंद्र दाधीच,मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फतेहपुर ताराचंद, सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी युसूफ अली, कंपनी सेक्रेटरी वैजनाथ माली, पत्रकार बाबूलाल सैनी,उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, राजकीय जोधराज मोहनलाल बजाज उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य शिव भगवान गौरा, राजेंद्र प्राचार्य मरूधरा बीएड कॉलेज, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष महेश गढ़वाल, पूर्व अध्यक्ष प्रेम सिंह डोटासरा महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कुरडाराम धाभाई, पूर्व पार्षद राधेश्याम सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर के उपाध्यक्ष रामगोपाल राकसिया, सेवानिवृत्त लेखाधिकारी बनवारी लाल शर्मा,सैनी समाज के अध्यक्ष रामगोपाल चुनवाल, समाजसेवी नागर मल, आचार्य रामगोपाल शास्त्री,पन्नाराम फतेहपुर, डॉ राजेंद्र आर्य लाडनूं, ओमप्रकाश सैनी सीकर सांवरमल मंचस्थ अतिथि थे। इस अवसर पर राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक छगनलाल शास्त्री, व्यवसायी दीपक जाजोदिया,सहायक लेखाधिकारी प्रथम झाबरमल माली, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक बनवारी वेदी रामस्वरूप सैनी, व्याख्याता दिलीप कुमार सैनी, बैंक मैनेजर अनिल कुमार सैनी,केन्द्रीय विद्यालय जयपुर के वरिष्ठ अध्यापक भागीरथ मल सैनी, सेवानिवृत्त शिक्षक नथमल मावलियों की ढाणी,व्यवसायी लख्खी प्रसाद सैनी, शेखावाटी के लोक कलाकार चिरंजीलाल सैनी , सुशील कुमार सैनी,सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष पूर्णमल राकसिया, बनवारी लाल टांक, व्यवसायी विनोद टांक, फूलचंद रकसिया,नरेंद्र सोनी , गोविंद जांगिड़ ,जगदीश पारीक, मानाराम महरिया,विनोद पंवार, मनोहर लाल शर्मा, राजेंद्र कुमार शर्मा,मनोज कुमार राकसिया , विनोद गौड़,दीपक कटारिया, महावीर जाजम,रतनलाल , कानाराम, श्रवण खींचड़ एडवोकेट रविंद्र शर्मा , व्यवसायी संजय सैनी,एसएमसी अध्यक्ष माया देवी, गोविंद राम जांगिड़ पूर्व प्रधानाध्यापिका श्रीमती संतोष, व्यवसायी मयंक गोयनका, प्रवीण ध्यावडा, राजकुमार सोती, विश्वनाथ टांक, प्रदीप शर्मा,बैंक मैनेजर मुकेश गुप्ता, देवेन्द्र खींचड़, सेवानिवृत्त तहसीलदार महावीर राकसिया, सेवानिवृत्त पुस्तकालय अध्यक्ष रामस्वरूप भभैवा, पार्षद एडवोकेट सज्जन सतरावला, शिवप्रकाश राकसिया, कुंभाराम, राकेश टांक, कैलाश टांक,बुद्धप्रकाश अलखपुरा ,कैलाश खडोलिया राजलदेसर, प्रमोद सैनी सीकर, दामोदर सांखला मंडावा, किशनलाल रामगढ़ शेखावाटी, भारतीय थल सेना के विजेन्द्र चाहर, श्रवण जांगिड़ फतेहपुर, राजकुमार राव प्रहलाद जांगिड़, महेंद्र धायल, महावीर प्रसाद, सांवरमल शर्मा पुननी मुमताज अली, बीरबल फतेहपुर, राजकुमार शर्मा,रवि मुद्गल, रमजान अली, महावीर नेहरा, मंगलचंद सैनी फतेहपुर सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस दौरान विद्यालय स्टाफ की ओर से विनोद पीटीआई, रश्मि गुप्ता,सरोज देवी, अनिता आलडिया, सुशीला ,सुनिता आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रतापगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर से भरी टाटा सूमो जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

घंटाली/प्रतापगढ़। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों और शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत घंटाली थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक टाटा सूमो कार से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब, बीयर और देशी मदिरा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

नाकाबंदी के दौरान धरे गए तस्कर – यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा और पुलिस उपाधीक्षक (पीपलखूंट) सुनील कुमार जाखड़ के मार्गदर्शन में थानाधिकारी भेमजी गरासिया के नेतृत्व वाली टीम द्वारा की गई।

घटना का विवरण: दिनांक 28 फरवरी 2026 को थानाधिकारी मय जाब्ता बोरी ए (Bori A) के पास नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान बोरी ए की तरफ से एक टाटा सूमो कार आती दिखाई दी। पुलिस ने इशारा कर गाड़ी रुकवाई और चालक से पूछताछ की। चालक ने अपना नाम करण पुत्र सुनील चौधरी (उम्र 22 वर्ष), निवासी अचलपुर (थाना सुहागपुरा) बताया।

तलाशी में मिला अवैध जखीरा – जब पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, तो गाड़ी के पिछले हिस्से में शराब के कार्टन भरे हुए मिले। चालक के पास शराब परिवहन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज या लाइसेंस नहीं पाया गया। इस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन और शराब को जब्त कर लिया।

जब्त की गई शराब का विवरण: – पुलिस ने कुल 816 पव्वों के साथ बीयर की बोतलें और केन जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 40,000 रुपये बताई जा रही है:

बीयर: 96 बोतल किंगफिशर और 72 केन किंगफिशर।

अंग्रेजी शराब: 48 पव्वे मैकडॉवेल्स (McD) के।

देशी मदिरा: 432 पव्वे प्रिंस देशी मदिरा और 336 पव्वे कैम्पा क्लासिक।

कानूनी कार्यवाही – पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त टाटा सूमो कार को जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ थाना घंटाली पर राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह शराब कहाँ से लाई गई थी और इसे कहाँ सप्लाई किया जाना था।

मुख्य भूमिका: इस कार्रवाई में थानाधिकारी भेमजी गरासिया सहित उनकी विशेष टीम का सराहनीय योगदान रहा।

धूरी में रोडवेज बस पर हमला: चालक-परिचालक से मारपीट, तोड़फोड़ करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

झुंझुनूं। धूरी थाना पुलिस ने रोडवेज बस के चालक-परिचालक से मारपीट कर बस में तोड़फोड़ करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार घटना 25 फरवरी 2026 की रात करीब 8 बजे की है, जब जयपुर से जालौर जा रही रोडवेज बस धूरी बस स्टैंड पहुंची। आरोप है कि एक कार और मोटरसाइकिल सवार लोगों ने बस को रोक लिया और करीब 100 लोगों की भीड़ ने चालक-परिचालक के साथ मारपीट की तथा बस के शीशे तोड़ दिए। परिचालक सुनील कुमार ने थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि वह बस लेकर निर्धारित रूट पर जा रहा था। धूरी बस स्टैंड पर कुछ लोगों ने वाहन आड़ा लगाकर बस रोकी और अचानक हमला कर दिया। घटना में बस को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी संजय गौतम के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मोहम्मद इमरान (26) पुत्र मुबारिक अली निवासी नया बास, तन धूरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। कार्रवाई में थानाधिकारी संजय गौतम, श्रीमती अनीता सुमन, कांस्टेबल कर्मवीर (1342), कांस्टेबल नवीन कुमार (1227) व आरक्षी नवीन कुमार (243) शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है।

शांति भंग में गिरफ्तार वांछित वारंटी राजेन्द्र कुमार को आरपीएफ मंदसौर के सुपुर्द किया

सामुदायिक प्रेषण

सुलताना/झुंझुनूं। पुलिस थाना सुलताना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित वारंटी राजेन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर रेलवे सुरक्षा बल, मंदसौर को सुपुर्द कर दिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी चिड़ावा विकास धिंधवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में 28 फरवरी 2026 को की गई। पुलिस के अनुसार गैर जमानती वारंटी राजेन्द्र कुमार पुत्र शीशराम जाट (35) निवासी पदमपुरा थाना सुलताना को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह मध्यप्रदेश के जिला मंदसौर में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा दर्ज रेलवे संपत्ति तोड़फोड़ के एक मामले में वांछित चल रहा है। इस पर पुलिस ने आरपीएफ मंदसौर से संपर्क कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए आरोपी को उनके सुपुर्द कर दिया।

ऑपरेशन 'त्रिनेत्र' के तहत प्रतापगढ़ पुलिस की बड़ी स्ट्राइक: मक्के के खेत में लहरा रहे थे गांजे के पौधे, रू31.50 लाख का माल जब्त

सामुदायिक प्रेषण

रठांजना/प्रतापगढ़। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत रठांजना थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की खेती के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने मक्के की फसल के बीच अवैध रूप से उगाए गए गांजे के 745 पौधे जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मक्के की आड़ में हो रही थी नशे की खेती – अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह और पुलिस उपाधीक्षक (वृत्त प्रतापगढ़) गजेंद्र सिंह राव के मार्गदर्शन में थानाधिकारी विजेंद्र सिंह मय जाब्ता गश्त पर थे। जब टीम नयाटापरा पहुंची, तो पुलिस को देखकर एक व्यक्ति खेतों की ओर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ा।

आरोपी की पहचान:– पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम भैरुलाल पुत्र नांजी मीणा (उम्र 46 वर्ष), निवासी नयाटापरा बताया। पूछताछ के दौरान उसने घबराते हुए स्वीकार किया कि उसने अपने खेत में मक्के की फसल की आड़ में गांजे के पौधे लगा रखे हैं।

कार्रवाई के मुख्य बिंदु:

जब्त पौधे: पुलिस ने खेत से गांजे के कुल 745 पौधे उखाड़कर जब्त किए।

कुल वजन: जब्त किए गए पौधों का कुल वजन 63 किलो 210 ग्राम पाया गया।

अनुमानित कीमत: अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस अवैध गांजे की कीमत लगभग 31 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस टीम और कानूनी प्रक्रिया – थानाधिकारी विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी भैरुलाल को गिरफ्तार कर लिया है। थाना रठांजना पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और अब पुलिस इस नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

पुलिस का संदेश: ऑपरेशन 'त्रिनेत्र' के माध्यम से जिले में नशे के सौदागरों और अवैध खेती करने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

चंग की थाप व फागणिया गीतों पर झूम प्रवासी

उधोगपति पवन कुमार डागा के द्वारा आयोजित फागोत्सव में बिखरे लोक संस्कृति के रंग

सामुदायिक प्रेषण

लक्ष्मणगढ़ । रंग, उमंग और लोक परंपराओं की जीवंत छटाओं के बीच शनिवार रामलीला मैदान के पास को डागा परिवार की ओर से आयोजित हुए फागोत्सव 2026 ने प्रवासियों को लोक संस्कृति से सरोबार कर दिया। उधोगपति पवन डागा के सौजन्य से हुए आयोजन में शेखावाटी की विरासत को फिर से जीवंत कर दिया। आयोजन में फतेहपुर व सेठों की कोठी की चंग पार्टी के कलाकारों ने चंग की थाप, बांसुरी की मधुर आवाज, डांस व फागणिया गीतों की ऐसी रसधारा बहाई कि दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं सके। फाग के रंगों में रचें बसें गीतों और लोक धुनों ने शेखावाटी की महक बिखेर दी। फाग महोत्सव में बुजुर्ग से लेकर युवाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी निभाई जिससे वातावरण पारंपरिक उत्सव में बदल गया । यह जानकारी देते हुए माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष अनिल सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी, प्रवासी उधोगपति ओमप्रकाश डागा, रविन्द्र डागा,सुनीता डागा, मुरारी लाल डागा, महावीर प्रसाद डागा, अश्विनी डागा, कुशुम डागा, हरिप्रसाद सोमानी, सुरेश कुमार, सुनिता सोमानी, प्रेम प्रकाश, कमल गग्गड, प्रदीप कुमार,मनीता चितलांगिया, सुरेश कुमार, शोभा लखोटिया, सुधा गुप्ता,पवन काबरा, रामस्वरूप सोमानी, अनिल कुमार सोमानी, मनोज जालान विष्णु काबरा संतोष काबरा पूर्व पार्षद पवन बूटोलिया पालडीवाल आईटीआई के प्राचार्य राकेश मालवीय,श्री रघुनाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य गायत्री पोरवाल, महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, कंपनी सेक्रेटरी वैजनाथ माली, विष्णु काबरा, संजय जोशी, सुशील पुजारी, रमेश पुजारी, रामस्वरूप सैनी, भागीरथ चुनवाल, राजकुमार खीरवेवाला, ओमप्रकाश बनाई, जयप्रकाश सरावगी,दीपक जाजोदिया, संदीप बजाज, विनोद बनाईवाला, नरोत्तम व्यास, वैक्टेश डीडवानिया,पवन पुजारी,मधु दायमा, लक्ष्मीकांत चुडीवाला, लख्खी प्रसाद बादूसरिया, सुरेश बबीपुरिया ओमप्रकाश जांगिड़, विनोद गौड़ मनोज राकसिया, महावीर जाजम , पत्रकार बाबूलाल सैनी,प्रभाष नारनोलिया, शशिकांत पुजारी,सहित बड़ी संख्या प्रबुद्ध जन मौजूद। इस अवसर पर आयोजक पवन कुमार डागा के नेतृत्व में आयोजन समिति के सदस्यों ने प्रवासियों व अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर व साफा ओढ़ाकर स्वागत किया।

अष्टान्हिका पर्व हमें स्मरण कराता है कि संसार अनित्य है और आत्मकल्याण ही जीवन का परम लक्ष्य है

सामुदायिक प्रेषण

रमेश जांगिड उनियारा,टोंक । श्री दिगम्बर जैन सुखोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र सुथड़ा में श्री अष्टान्हिका महापर्व का षष्टम दिवस मनाया गया। प्रबंध समिति के महावीर प्रसाद पराणा व गजानन्द बड़जात्या ने बताया कि जैन धर्मावलंबियों का परम पावन और आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत अष्टान्हिका महापर्व इन दिनों श्रद्धा, भक्ति और साधना के वातावरण में संपन्न हो रहा है। वर्ष में तीन बार– कार्तिक, फाल्गुन और आषाढ़ शुक्ल पक्ष में आने वाला यह आठ दिवसीय पर्व आत्मशुद्धि, तप और आराधना का अद्वितीय संगम माना जाता है। जैन आगमों में वर्णित इस महापर्व का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि इन दिनों देवगण दिव्य धाम नन्दीश्वर द्वीप में स्थित तीर्थंकर प्रतिमाओं की भव्य पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नन्दीश्वर द्वीप जैन ब्रह्मांड विज्ञान में एक अत्यंत पवित्र और अलौकिक क्षेत्र है, जहाँ मानव शरीर से पहुँचना संभव नहीं, परंतु श्रद्धा, भावना और विधान के माध्यम से उसकी वंदना की जाती है। इसी भावना के साथ देशभर के जिनालयों में नन्दीश्वर मंडल विधान, अष्टद्रव्य पूजन और विशेष आराधनाएँ आयोजित की जा रही हैं। अष्टान्हिका महापर्व मूलतः सिद्ध परमात्माओं की आराधना का विशेष काल है। श्रद्धालु इन आठ दिनों में राग-द्वेष का त्याग कर आत्मा की शुद्धि का प्रयास करते हैं। इस अवसर पर शास्त्री प्रिंस जैन देवांश के निर्देशन में सर्वप्रथम मंगलाष्टक कर नित्य अभिषेक शांति धारा की गई। वार्षिक शांतिधारा रमेशचंद रौनक सर्राफ जयपुर पांडुशिला पर सुखोदय रविवार अभिषेक मंडल अलीगढ़ के सदस्य अरविंद कुमार चेतन कुमार विमल कुमार प्रवीण कुमार हेमंत कुमार ने शांतिधारा की उसके बाद देव शास्त्र गुरु पूजा चौबीस भगवान की मुलनायक भगवान की पूजा एवं नंदीश्वरद्वीप की पूजा कर सिद्धों की आराधना के साथ अष्टान्हिका महापर्व का छठवां दिवस मनाया गया भक्तामर संयोजक हुक्मचंद जैन एवं लोकेश जैन बनेठा ने बताया कि सांय 7 बजे से श्रेष्ठी परिवार एवं रविवार भक्तामर मंडल अलीगढ़ द्वारा भक्तामर दीपार्चना सानंद संपन्न की गई। इस अवसर पर रविवार अभिषेक मंडल के रिहांश जैन, सम्यक जैन, प्रतीक जैन, दिव्यांशु जैन,मिताश जैन, श्रेयांश जैन ,प्रियांशु जैन,राहुल जैन सहित बालक शामिल थे।

सूरजगढ़ थाना परिसर में सीएलजी व शांति समिति की बैठक, होली पर सौहार्द बनाए रखने की अपील

सामुदायिक प्रेषण

सूरजगढ़ (झुंझुनूं)। आगामी होली एवं धुलंडी पर्व को लेकर पुलिस थाना सूरजगढ़ परिसर में सीएलजी एवं शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन एवं वृताधिकारी चिड़ावा विकास धींधवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी दौलतराम आरपीएस प्रोबेशनर के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में सीएलजी सदस्य, शांति समिति सदस्य, आशा सहयोगिनी, ग्राम रक्षक, व्यापार मंडल प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उपस्थितजनों से होलिका दहन एवं धुलंडी का पर्व आपसी भाईचारे, धार्मिक सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि त्योहार के दौरान शराब पीकर उत्पात मचाने, कानून-व्यवस्था भंग करने तथा सोशल मीडिया पर भड़काऊ, धार्मिक या सामाजिक टिप्पणी करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा क्षेत्र की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना गया तथा आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने आपसी समन्वय और सहयोग के साथ शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। अंत में प्रशासन ने आमजन से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

देवधाम जोधपुरिया मंदिर के फरवरी माह के दानपात्र खुले

4 लाख 93 हजार 525 रुपये की राशि प्राप्त, मंदिर विकास पर हुई चर्चा

सामुदायिक प्रेषण

निवाई (टोंक)। निवाई उपखंड स्थित देवधाम जोधपुरिया मंदिर में फरवरी माह के दानपात्र विधिवत रूप से खोले गए। दानराशि की गणना के दौरान कुल 4 लाख 93 हजार 525 रुपये की राशि प्राप्त हुई। बैठक अध्यक्ष नरेश गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें कोषाध्यक्ष जगदीश नारायण बोकण ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। वहीं महामंत्री रत्नदीप गुर्जर ने आगामी कार्ययोजना की रूपरेखा रखी।

बैठक में मंदिर विकास, व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण तथा भविष्य में होने वाले धार्मिक आयोजनों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में सैकड़ों पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राप्त दानराशि का उपयोग मंदिर के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा।

संत पदमाराम जी कुलरिया के पुत्रो ने सोम्पा इक्कीस लाख का चेक बुटाटी में बन रही सार्वजनिक हिन्दू धर्मशाला के लिए दिया सहयोग

सामुदायिक प्रेषण

डी डी चारण /मेड़ता सिटी । सीलवा निवासी संत पदमाराम जी कुलरिया के पुत्र कानाराम कुलरिया, शंकर कुलरिया, धर्म कुलरिया ने बुटाटी में बन रही सार्वजनिक हिन्दू धर्मशाला के सहयोगार्थ इक्कीस लाख रूपय की राशि का चेक धर्मशाला कमेटी को सोम्पा श्री बालाजी सेवा धाम महंत महामण्डलेश्वर आचार्य बजरंग दास महाराज के सानिध्य में कमेटी के अध्यक्ष - महावीर प्रसाद मित्तल, बसंत राज मेहता , दीनदयाल अठवासिया, डॉ. मुकेश जांगिड़ , किशोर सुथार, मुनालाल सुथार , पप्पसा सैंन, मोहन लाल सुथार को सहयोग राशि का चेक प्रदान किया जानकारी में पदमाराम कुलरिया फेन्स टीम मेड़ता के डी डी चारण ने बताया की कुलरिया जी का सहयोग मेड़ता क्षेत्र को हमेशा मिलता रहता हें गौशालो व धार्मिक आयोजना में सदैव सहयोग देकर मान सम्मान रखते हें कानाराम कुलरिया , शंकर कुलरिया , धर्मचंद कुलरिया कुलरिया का मेड़ता के साथ अच्छा जुड़ाव रहा हें टीम मेड़ता की ओर से कुलरिया परिवार मूलवास सिलवा को साधुवाद ज्ञापित किया

मन में अगर कुछ करने का जूनून हो तो कोई भी समस्या बाधा नहि बन सकती : राजकुमारी किन्नर

निर्माणाधीन श्याम मंदिर प्रांगण में बही भजनो की सरिता, भारी संख्या में उमड़े भक्त

सामुदायिक प्रेषण

डी डी चारण / मेड़ता सिटी । मेड़ता सिटी के किसान छात्रावास के पास प्रथम निर्माणाधीन श्याम मंदिर में शनिवार को रात में आयोजित फागण के रसिया बाबा श्याम का फागमहोत्सव का आयोजन किया गया । आयोजन के मुख्य यजमान मेड़ता किन्नर समाज गादीपति राजकुमारी किन्नर के मुख्य आतीथ्य में श्री श्याम मित्र मंडल मेड़ता सिटी परिवार द्वारा एक विशाल फाग महोत्सव का आयोजन किया गया । जिसमे श्याम जगत के ख्याति प्राप्त भजन प्रभावक गिरिराज शरण महाराज जयपुर,सुप्रसिद्ध भजन गायिका ज्योति सैनी अजमेर , गायक ललित लहरिया द्वारा बाबा श्याम एव मीरा बाई के भजनों पर शानदार प्रस्तुति दी जिसमें मेड़ता सिटी के श्याम प्रेमि भजनों पर झूम उठे ।रात भर चले इस महोत्सव में जयपुर से आए कलाकार गिरिराज महाराज ने श्याम बाबा के भजनों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया तो वही अजमेर की गायिका ज्योति सैनी ने मीरा बाई और श्याम बाबा के फागुन के गीतों से सबको सराबोर कर दिया । भजन गायक ललित लहरिया ने फागुन और देशभक्ति के गीतों से समां बांध दिया। इस मौके पर मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू ने संबोधित करते हुए कहा कि किन्नर समाज

गादिपती राजकुमारी बाई के नैतृत्व में सम्पूर्ण मारवाड़ क्षेत्र में सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है । इससे समाज में सकारात्मक माहौल उत्पन्न होता है जिससे सामाजिक समरसता का संदेश मिलता है । विधायक ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से एकजुटता का परिचय मिलता है । इस मौके पर किन्नर समाज गादीपति राजकुमारी बाई ने कहा कि संपूर्ण समाज अपना है । भेदभाव को दूर कर हमे एक मंच पर आकर इस प्रकार के सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रम में सहभागी बनना चाहिए । मन में कुछ करने अगर जूनून हो तो कोई भी मुश्किल बाधा नहि बन पति हें अनवरत गति से लगे रहना चाहिए इस अवसर पर मेड़ता और आप पास के अनेक गणमान्य नागरिक और श्याम प्रेमी उपस्थित रहे । आयोजन समिति के राहुल बोराना में बताया कि राजकुमारी बाई के नेतृत्व में आयोजित फागमहोत्सव में सभी ने आनंद के साथ विभिन प्रकार के फूलो और गुलाल के साथ महोत्सव मनाया । श्याम मित्र मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष मानक चंद दरक ने इस फाग महोत्सव में पधारे हुए सभी कलाकारों,अथितियों, श्याम भक्तों तथा नागरिकों का आभार व्यक्त किया । इस मौके पर किन्नर समाज गादीपति राजकुमारी बाई,विधायक लक्ष्मण राम , श्याम मित्र मंडल कार्यकारी अध्यक्ष मानक चंद दरक ,महामंत्री मनोहर लाल गहलोत,संजय तापड़िया, अनिल टाक, बजरंग सोनी,पालिका पूर्व अध्यक्ष शोभा नरेन्द्र लाहोटी, मीरा महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेन्द्र गहलोत,रंगतमल भैरव मुख्य उपासक शिवरतन आसिवाल,गोरधन राम माली, गौतम टाक, नवरतन पंवार, अमित टाक,श्याम सुंदर बिड़ला,राजीव पुरोहित,लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा, राहुल बोराना , छोटुलाल गहलोत,अशोक जांगिड, उमा शर्मा रजत , सरिता टाक,तारा बाई , रणजीता बाई ,भावना बाई ,मछराज सिखवाल , राहुल कछवा ,रविंद्र गहलोत,मुकेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।इस कार्यक्रम को अन्नू बिग बि द्वारा जन जन तक लाईव प्रसारण भी किया गया अंत में इत्र व फूलो की होली के साथ भजन संध्या का समापन किया गया

दौसा पुलिस की बड़ी कामयाबी: 10 साल से फरार 10 हजारी इनामी ठग जयपुर से गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

दौसा। जिला पुलिस ने साइबर सेल के साथ मिलकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने करीब एक दशक से फरार चल रहे 10,000 रुपये के इनामी अपराधी प्रभुदयाल जांगिड़ को जयपुर के शास्त्री नगर से धर दबोचा है। आरोपी शातिर तरीके से लोगों को 5 साल में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर ठगी करता था।

भेष बदलकर काट रहा था फरारी – पकड़ा गया आरोपी प्रभुदयाल जांगिड़ (55), जो मूल रूप से कोलवा का रहने वाला है, पिछले 10 वर्षों से अपनी पहचान छिपाकर अलवर और जयपुर में परिवार सहित रह रहा था। इसके खिलाफ कोलवा थाने में धोखाधड़ी (धारा 420, 406, 409 IPC) के गंभीर मामले दर्ज हैं। कोतवाली पुलिस ने इसे चेक अनादरण के एक मामले में गिरफ्तार किया है।

ऑपरेशन के पीछे की मुख्य टीम – जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश और दौसा एसपी सागर राणा के निर्देशन में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

सुपरविजन: एएसपी हेमन्त दयाल और डीएसपी धर्मेन्द्र कुमार शर्मा।

नेतृत्व: कोतवाली थानाधिकारी भगवान सहाय शर्मा और साइबर सेल प्रभारी प्रेम नारायण शर्मा।

विशेष भूमिका: साइबर सेल के कांस्टेबल दशरथ सिंह की 6 महीने की कड़ी मेहनत और तकनीकी विश्लेषण के कारण ही आरोपी को लोकेट किया जा सका।

ठगी का तरीका: '5 साल में डबल' का लालच – आरोपी इतना शातिर था कि वह लोगों को सुनहरे सपने दिखाकर निवेश कराता था और वादा करता था कि 5 साल में उनका पैसा दोगुना हो जाएगा। रकम हड़पने के बाद वह फर्जी चेक थमा देता था और पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलता रहता था। पुलिस अब इससे अन्य थानों में दर्ज मामलों और अन्य साथियों के बारे में गहनता से पूछताछ कर रही है।

बड़ी बात: दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कई इलाकों में दबिश देने के बाद आखिरकार 28 फरवरी की देर रात पुलिस को सफलता मिली।

10 साल से फरार 5 हजार का इनामी बदमाश सुरेन्द्र उर्फ काला गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

खेतड़ी (झुंझुनूं)। पुलिस थाना खेतड़ी पुलिस ने करीब 10 साल से फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी बदमाश सुरेन्द्र उर्फ काला को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी लूट के एक प्रकरण में धारा 299 सीआरपीसी के तहत मफरूर घोषित था। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृत खेतड़ी के पुलिस उप अधीक्षक जुल्फीकार अली के सुपरविजन में थानाधिकारी मोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर रेंज द्वारा वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टीम ने कार्रवाई करते हुए लूट के मामले में 299 सीआरपीसी में फरार इनामी वारंटी सुरेन्द्र उर्फ काला पुत्र रामकिशन गुर्जर निवासी बावल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) को गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई में थानाधिकारी मोहनलाल, उपनिरीक्षक महिपाल सिंह, कांस्टेबल रमेश कुमार, गौतम कुमार, मंजीत सिंह, अनिल तथा साइबर सेल के कांस्टेबल राजेश कुमार की विशेष भूमिका रही। जिला पुलिस ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

निजी शिक्षण संघ उनियारा ब्लॉक की बैठक आयोजित निजी विद्यालयों संचालक को विद्यालय संचालन के बताए गुर, होली उत्सव मनाया

सामुदायिक प्रेषण

रमेश जांगिड उनियारा,टोंक । उनियारा कस्बें में स्थित चामुंडा माता मंदिर में रविवार को निजी शिक्षण संघ ब्लॉक उनियारा की बैठक शिक्षण संघ ब्लॉक अध्यक्ष भीम सिंह गौड एवं बैठक अध्यक्ष कन्हैयालाल धाकड़ की अध्यक्षता में हुई ।जिसमें निजी विद्यालयों से आगामी सत्र के संचालन एवं प्रवेश संबंधी प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गई । इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष भीम सिंह गौड ने विद्यालय संचालको को आवश्यक टिप्स बताएं ।वही समस्याओं के लिए एकजुट होकर सामना करने की बात कही। इस दौरान कन्हैयालाल धाकड़ ने अपने उद्बोधन में संघ की मजबूती पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि सीताराम शर्मा, रघुनंदन शर्मा ने विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक उपयोगी बातें बताई। वहीं बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने आवश्यक मुद्दों पर अपने सुझाव दिए। इस दौरान होली महोत्सव मनाया गया। जिसमें एक दूसरे के अभीर गुलाल लगाकर खुश किया वहीं खाटू श्याम यात्रा से लिए चर्चा कर , योजना बनाई गई। इस दौरान बैठक में चंद्र मोहन मंगल, रामबाबू मीना ,जसराम मीणा बसंत सैनी रामप्रसाद धाकड़ सहित अन्य संचालक उपस्थित थे।

दया फाउंडेशन का दौसा मे होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन 258 कर्मवीर योद्धाओ का किया सम्मान

सामुदायिक प्रेषण

नांगल राजावतान /रोशन लाल मीना । दौसा जिले मे जिला स्तरीय होली मिलन एवं कर्मवीर सम्मान समारोह का हुआ आयोजन। कार्यक्रम संयोजक प्रिया मीना निदेशक दया फाउण्डेशन ने जानकारी देते हुए बताया की जिले मे उत्कर्ष कार्य करने वाले 258 सामाजिक सरोवर को सम्मानित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता दया फाउंडेशन निदेशक प्रिया मीणा ने की। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता रवी पालीवाल,विशिष्ट अथिति जिला परिषद सदस्य नीलम गुर्जर, जयपुर पूर्व उप माहौपर कुशुम शर्मा ,करनी सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल मकराना, अथिति ओमप्रकाश घूमना, डॉ रामवीर चौधरी,अवधेश मीणा गौ रक्षक जीतेन्द्र उर्फ़ बंटी मीणा कानोता मौजूद रहे। दया फाउंडेशन सामाजिक कार्य करने वाले लोगो को पांच साल मे हमेशा सम्मान करता है। इसके के लिए गौ रक्षक जीतेन्द्र उर्फ़ बंटी मीणा ने 21 हजार का सहयोग प्रदान किया।कार्यक्रम समापन पर सभी ने एक साथ बैठकर भोजन लिया। इस दौरान डॉ रामवीर चौधरी,अवधेश मीणा,अशोक कुमार, प्रवीण फौजी सहित कर्मवीर और अन्य लोग मौजूद रहे।

एमएसएमई को विकास का अग्रदूत बनाने पर केंद्रित पोस्ट बजट वेबिनार 3 मार्च को

सामुदायिक प्रेषण

नई दिल्ली । सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा 3 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे 'पोस्ट बजट 2026 वेबिनार - एमएसएमई ऐज चैंपियंस ऑफ ग्रोथ' विषय पर वर्चुअल वेबिनार आयोजित किया जाएगा।

मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय बजट 2026-27 में एमएसएमई क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गई हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमों को मजबूती देना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और नवाचार को प्रोत्साहित करना है। वेबिनार का मकसद बजट की प्रमुख प्रावधानों से हितधारकों को अवगत कराना और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री प्रातः 11:15 बजे मुख्य वक्तव्य देंगे। वेबिनार में देशभर के उद्यमियों, उद्योग संगठनों, वित्तीय संस्थानों और अन्य हितधारकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह वेबिनार वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रतिभागी वेबकास्ट पोर्टल https//webcast.gov.in/msme/ तथा मंत्रालय के यूट्यूब चैनल के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ सकेंगे। मंत्रालय ने सभी संबंधित हितधारकों से समय पर जुड़कर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

50 लाख के सरसों तेल से भरा ट्रक लूटने वाला 10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

दौसा। पुलिस थाना कोतवाली, दौसा व साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में 50 लाख रुपये कीमत के सरसों तेल से भरे ट्रक लूट प्रकरण में 7 साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक राहुल प्रकाश के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर राणा, वृत्ताधिकारी दौसा धर्मेन्द्र कुमार शर्मा के सुपरविजन तथा थानाधिकारी भगवान सहाय शर्मा के नेतृत्व में एवं प्रभारी साइबर सेल प्रमोद नारायण के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई।

घटना का विवरण दिनांक 17 जुलाई 2019 की रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर दौसा क्षेत्र में 1712 टिन सरसों तेल से भरे ट्रक को बदमाशों ने रोक लिया। चालक व खलासी के साथ मारपीट कर ट्रक लूट लिया गया। ट्रक में भरे सरसों तेल की कीमत करीब 50 लाख रुपये थी। बदमाशों ने नकदी, मोबाइल फोन व आवश्यक दस्तावेज भी छीन लिए थे। इस संबंध में कोतवाली थाना दौसा में प्रकरण संख्या 379/19 धारा 395, 397, 365 भादंसं में मामला दर्ज किया गया था। मामले में पूर्व में आरोपी अजय साहू उर्फ कल्लू, मुकेश, मुकेश पुत्र रामसिंह, कमल बैरवा उर्फ कमलेश तोतला व सुनील कुमार उर्फ टिल्लू को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्य आरोपी मजलिस खान उर्फ छुट्टन मेव निवासी छिड़ोली थाना राजगढ़ जिला अलवर लंबे समय से फरार चल रहा था, जिस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। लगातार तकनीकी व मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 28 फरवरी 2026 को आरोपी मजलिस खान उर्फ छुट्टन मेव को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी को न्यायालय में पेश कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। गठित टीम में बाबूलाल (सहायक उपनिरीक्षक), नागपाल (हेड कांस्टेबल), विजय कुमार (कांस्टेबल), दशरथ सिंह (कांस्टेबल, साइबर सेल - विशेष भूमिका) शामिल रहे। जिला पुलिस ने बताया कि वांछित व इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

होली पर्व पर मिलावटखोरी के विरुद्ध सघन अभियान

प्रतिष्ठानों से मावा व स्किम्ड मिल्क पाउडर के नमूने लिए

सामुदायिक प्रेषण

धौलपुर राजस्थान। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, टी. शुभमंगला के निर्देशानुसार होली पर्व के मद्देनजर जिले में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सीएमएचओ डॉ. धर्मसिंह मीणा द्वारा गठित खाद्य सुरक्षा टीम ने रविवार को विभिन्न प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कर नमूना लेने की कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया कि कार्रवाई के दौरान बद्री प्रसाद दिनेश चंद्र मावा भंडार, पुराना बस स्टैंड, धौलपुर से मावा का नमूना लिया गया। इसी प्रकार दीपक मावा भंडार, रस रोड, धौलपुर से मावा एवं स्किम्ड मिल्क पाउडर के नमूने लिए गए। इसके अलावा कृष्ण फूड प्रोडक्ट्स, धर्मपुरा, से भी मावा का नमूना लिया गया। उन्होंने बताया कि सभी नमूनों को प्रयोगशाला में जांच हेतु भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

08 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मद्देनजर जिले में महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा के लिए पुलिस की नई पहल

सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर राजकॉप सिटीजन एप के क्यूआर कोड वाले पोस्टर व स्टीकर चिपकाने की शुरुआत।

सामुदायिक प्रेषण

धौलपुर राजस्थान। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में जिले में हुई शुरुआत, यात्रा के दौरान महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने एवं आपातकालीन स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई कवायद। 08 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मद्देनजर राजस्थान पुलिस ने महिला सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए एक विशेष पहल शुरू की है जिसके तहत सार्वजनिक परिवहन वाहनों (बस, ऑटो, टैक्सी) पर राजकॉप सिटीजन एप के क्यूआर कोड (क्विक रिस्पांस कोड) वाले पोस्टर/स्टीकर लगाए जा रहे हैं। पुलिस मुख्यालय के इस अभियान के अन्तर्गत जिले में पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी कमल कुमार जांगिड़ के सुपरविजन में भी इसकी शुरुआत की गई है। गुलाब बाग चौराहे पर यातायात प्रभारी बलविंदर सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस कर्मियों ने सार्वजनिक परिवहन के साधनों बस, ऑटो, टैक्सी आदि वाहनों पर राजकॉप सिटीजन एप के क्यूआर कोड वाले पोस्टर व स्टीकर चिपकाये गये। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रा के दौरान महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है। बस और ऑटो में यात्रा करने वाली छात्राएं या महिलाएं अपने स्मार्टफोन से इस क्यूआर कोड को स्कैन करके सीधे 'राजकॉप सिटीजन एप' डाउनलोड कर सकती हैं। इस एप का 'नीड हेल्प' सुविधा से लैस है जो संकट के समय एक क्लिक पर महिला की लोकेशन सीधे पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंचाता है। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया है कि परिवहन साधनों में राजकॉप सिटीजन एप के क्यूआर कोड प्रदर्शित होने से आमजन विशेष कर छात्राओ और कामकाजी महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा बढ़ेगा यह पहल तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय पदाधिकारी धौलपुर आए

जिला कार्य कारिणी से संवाद कर जिले में संगठन की स्थिति एवं शिक्षक समस्याओं की जानकारी ली।

सामुदायिक प्रेषण

धौलपुर। राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश सभाध्यक्ष राम प्रताप मीणा एवं प्रांतीय सलाहकार दशरथ सोलंकी एक दिवसीय प्रवास पर धौलपुर आए । दोनों प्रांतीय नेताओं के पहली बार धौलपुर आगमन पर संघ केपूर्व प्रदेश महामंत्री एवं अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ज़िलाध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में जिला टीम ने माल्यार्पण कर व साफा बांधकर, साल एवं पटका पहनकर गर्मजोशी से स्वागत किया।संघ के दोनों प्रदेश पदाधिकारियों ने स्थानीय एक पैलेस होटल में जिला कार्य कारिणी से संवाद करते हुए जिले में संगठन के मौजूदा ढांचे एवं शिक्षक समस्याओं की जानकारी ली।इसके बाद बे संघ के जिलाध्यक्ष हरी सिंह गुर्जर के सेवा निवृत्ति सम्मान समारोह में शामिल हुए। संघ के पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश में किसी भी दल की सरकार रही हो सबसे बढ़े शिक्षक संवर्ग तृतीय श्रेणी शिक्षकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है । संगठन को सीएम से मिलकर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण और डीपीसी शुरू हों इसकी मजूबत पैरवी करनी चाहिए ।इस दौरान संगठन के प्रदेश सभाध्यक्ष राम प्रताप मीणा ने कहा कि हमारा संगठन लगातार शिक्षकों की लंबित समस्याओं के निराकरण हेतु कार्य कर रहा है। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के आठ सालों से बंद ट्रांसफर और पांच वर्षों से तृतीय श्रेणी शिक्षकों की अटकी डीपीसी शुरू कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी प्रकार वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पद पर पदोन्नति शुरू कराने ,शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने जैसी मांगो और शिक्षा विभाग में पारदर्शी ट्रांसफर पॉलिसी लागू करने की मांग को लेकर जल्द सरकार को ज्ञापन प्रेषित कर वार्ता की जाएगी।कोटा से आए संघ के प्रांतीय सलाहकार दशरथ सिंह सोलंकी ने सभी पदाधिकारियों से संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रजातंत्र में शिक्षक समस्याओं के निदान हेतु मजबूत संगठन की महती आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि धौलपुर जिले के लिए खुशी के बात है कि पिछले 2 सालों से यहां से राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा ने प्रदेश महामंत्री के रूप में बेहतरीन कार्यकर पूरे राज्य में अपनी कार्य शैली की अमित छाप छोड़ी थी।युवा पीढ़ी के शिक्षकों को उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। बैठक की कार्यवाही का संचालन वरिष्ठ शिक्षक नेता अनिल मिश्रा ने किया तथा धन्यवाद उपाध्यक्ष केदार सिंह बघेल ने जताया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अवधेश सारस्वत, वीरों कुमार गुर्जर, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर लोधी, प्रवक्ता भानु प्रताप परमार,मनोज झा ,केशव देव शर्मा, अशोक शर्मा, रहीश फारूखी, लोकेंद्र गर्ग, हेमेंद्र तोमर ,फिरोज खान,हरिओम शर्मा, राजकुमार राजपूत,मुकेश बाबू,राजीव सिसोदिया, राजेंद्र शर्मा,दीपेश सिंघल,राजेश कामबार,मयंक पचौरी, कुंज बिहारी शर्मा, गौरव दुबे,बालकिशन, गिरीश शर्मा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

रामा कष्णा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मे पुरातन छात्र मिलन समारोह 2026

सामुदायिक प्रेषण

दिनेश प्रजापत/सांगानेर । पंचायत समिति सांगानेर कस्बे डिग्गी रोड़ स्थित रामा कृष्णा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय रघुनाथपुरा रोड सांगानेर जयपुर में पुरातन छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पुरातन विद्यार्थियों को परस्पर जोडकर आत्मीय सम्बन्ध स्थपित करना है। पूर्व छात्र परिषद् के माध्यम से सामाजिक समरसता एवं एकात्म भाव का निर्माण करना था। 'मंजिल पाने की राह में हमने कदम बढ़ाया था, लोग जुडते गये कारवां बनता गया। इस कारवां को परस्पर जोडे रखने के लिए 'पुरातन छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री कमलेश कुमार शर्मा (भूतपूर्व प्रोफेसर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर) के द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया साथ ही माँ सरस्वती जी की नवीन प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में उन सभी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होने महाविद्यालय में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा जो महाविद्यालय से जाने के पश्चात् विभिन्न सरकारी उच्च पदो पर आसीन है एवं जिन्होने विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। पूर्व छात्र छात्राओं ने कई रंगारंग प्रस्तुतियों दी जिसमे नृत्य, संगीत, कविता आदि प्रमुख थे। पूर्व विद्यार्थी परिषद् में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सांस्कृतिक प्रमुख पदों का सृजन किया गया साथ ही सभी छात्र छात्राओं को परिषद् व परिषद के कार्यो को पूर्ण निष्ठा से वहन करने की शपथ दिलवायी गई। गत छः वर्षो के सभी छात्र छात्राएँ परस्पर मिलकर अत्यन्त प्रसन्न हुए। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य डॉ. प्रतीक्षा शर्मा ने मुख्य अतिथि कमलेश कुमार शर्मा व संस्था सचिव डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा को स्मृति चिन्ह एवं शॉल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी छात्र छात्राओं ने सहभोज किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम हर्षोल्लास से सम्पन हुआ। संस्था की प्राचार्य डॉ प्रतीक्षा शर्मा ने मुख्य अतिथि, एवं सभी छात्र छात्राओं को धन्यवाद दिया कि उन्होने अपने व्यस्ततम समय में से कुछ समय महाविद्यालय के लिए दिया एवं कार्यक्रम की शोभा बढाई।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय से की अपील

सामुदायिक प्रेषण

भरतपुर/ सह संपादक भीम सिंह राजपूत । महाराजा सूरजमल ब्रज यूनिवर्सिटी को दो वर्ष पुर्ण होने वाले है जुलाई में पर अभी तक सत्र 2024-25 बालों का बी ए बी एससी और बी कॉम 1ह्यह्ल सेमेस्टर रिवेल रिजल्ट जारी नहीं किया है डेढ़ महीना हो गया और 2ठ्ठस्र सेमेस्टर के एग्जाम नवंबर में समाप्त हो गए पर अभी तक रिजल्ट नहीं आया और कोटा यूनिवर्सिटी और राजस्थान यूनिवर्सिटी ने 3ह्स्र सेमेस्टर के एग्जाम फॉर्म भरवा कर एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं पर बृज यूनिवर्सिटी ने अभी तक 3ह्स्र सेमेस्टर के एग्जाम फॉर्म नहीं भरवाए है यूनिवर्सिटी प्रशासन से अमित फौजदार ने अपील की है कि जल्द से जल्द 3ह्स्र सेमेस्टर एग्जाम फॉर्म भरवाए सत्र पहले से ही लेट है यूनिवर्सिटी प्रशासन और लेट नहीं करे जल्द से जल्द 1ह्यह्ल सेमेस्टर रिवेल रिजल्ट जारी कर 3ह्स्र सेमेस्टर एग्जाम फॉर्म भरवाए और जल्द से जल्द एग्जाम करवाए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक ओमप्रकाश जांगिड़ के लिए स्काईटेक प्रिंटर से मुद्रित एवं प्लॉट नंबर 244 श्याम नगर विस्तार सांगानेर से प्रकाशित फोन नंबर 9784657775 सहायक संपादक, धर्म सिंह गुर्जर, पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार ईमेल samudayaknews@gamil.com संपादकीय कार्यालय 105, डीपी कार्प ओके प्लस बिल्डिंग, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर

मानपुर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक दर्जन स्थायी वारंटों में फरार कमलेश उर्फ कमल उर्फ तोतला गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

दौसा। पुलिस थाना मानपुर, दौसा पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए वर्ष 2012 से करीब एक दर्जन स्थायी गिरफ्तारी वारंटों में फरार चल रहे शातिर अपराधी कमलेश उर्फ कमल कुमार उर्फ तोतला को गिरफ्तार किया है। आरोपी जयपुर शहर पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, दौसा एवं भरतपुर जिलों में हत्या, लूट, डकैती, अपहरण, चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट तथा आबकारी अधिनियम सहित करीब डेढ़ दर्जन मामलों में वांछित था। कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमन्त कलाल, वृत्ताधिकारी मानपुर के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सतीश कुमार के नेतृत्व में 1 मार्च 2026 को की गई। न्यायालय सिकराय, जिला दौसा से जारी स्थायी वारंट की पालना में कमलेश उर्फ कमल कुमार उर्फ तोतला पुत्र प्रेमचंद जाति बैरवा उम्र 38 वर्ष निवासी डूंगर सिकराय थाना मानपुर जिला दौसा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसके विरुद्ध थाना सिद्धी कैंप जयपुर, थाना मानपुर, थाना बयाना जिला भरतपुर, थाना महेश नगर जयपुर, थाना कोतवाली दौसा, थाना स्टेशन सदर जयपुर तथा थाना शास्त्री नगर जयपुर सहित विभिन्न थानों में हत्या, लूट, डकैती, अपहरण, चोरी, आर्म्स एक्ट व आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हैं। कार्रवाई में गठित पुलिस टीम में फतेह सिंह सहायक पुलिस निरीक्षक, दानसिंह सहायक पुलिस निरीक्षक, लालाराम सहायक पुलिस निरीक्षक, पुष्पेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल 160 पुलिस चौकी सिकराय, राधेश्याम हेड कांस्टेबल 36 थाना मानपुर, केशव कांस्टेबल 538 पुलिस चौकी सिकराय विशेष भूमिका, गौतम कांस्टेबल 854 थाना मानपुर, सत्येंद्र कांस्टेबल 1300 थाना मानपुर, महेश कांस्टेबल 680 थाना मानपुर तथा चालक चम्पालाल कांस्टेबल 1010 थाना मानपुर शामिल रहे। जिला पुलिस ने बताया कि आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर यातायात टोंक पुलिस की पहल, बसों में लगाए राजकॉप सिटीजन ऐप के QR कोड

सामुदायिक प्रेषण

टोंक।चौथमल गुर्जर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में यातायात पुलिस टोंक द्वारा महिलाओं की सुरक्षा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सार्वजनिक वाहनों में राजकॉप सिटीजन ऐप के QR कोड लगाए जा रहे हैं। अभियान के तहत आज यातायात पुलिस टीम ने विभिन्न बसों में QR कोड स्टिकर चस्पा किए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में यात्री तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त कर सकें। QR कोड स्कैन करते ही राजकॉप सिटीजन ऐप डाउनलोड कर सीधे पुलिस से संपर्क किया जा सकता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक परिवहन में त्वरित सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे QR कोड स्कैन कर राजकॉप सिटीजन ऐप डाउनलोड करें और आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग करें। 'एक स्कैन - तुरंत सुरक्षा' और 'सुरक्षित नारी - सुरक्षित समाज' के संदेश के साथ यह अभियान शहर में जारी रहेगा।

देवली व्यापार महासंघ ने 2 मार्च को होलिका दहन व 4 मार्च को धुलंडी मनाने का लिया निर्णय

सामुदायिक प्रेषण

देवली।मनराज गुर्जर । व्यापार महासंघ देवली की एक महत्वपूर्ण बैठक महासंघ अध्यक्ष पंकज जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि होलिका दहन 2 मार्च को मध्य रात्रि 1:15 बजे किया जाएगा तथा धुलंडी का पर्व 4 मार्च, बुधवार को मनाया जाएगा। महासंघ अध्यक्ष पंकज जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह निर्णय प्रमुख धार्मिक स्थलों–काशी विश्वनाथ मंदिर, सांवरिया सेठ मंदिर, गोविंद देव जी मंदिर, मथुरा और वृंदावन–में धुलंडी 4 मार्च को मनाए जाने के आधार पर लिया गया है। उन्होंने कहा कि धार्मिक परंपराओं और आस्था को ध्यान में रखते हुए यह फैसला सर्वसम्मति से किया गया है। बैठक में सुनील कुमार सिंघल, सुरेंद्र डीडवानिया, चंद्रभान गोयल, भगवान खत्री, मुकेश गोयल, रूपम जिंदल, प्रशांत उपाध्याय, राजीव भारद्वाज, कुंदन राणावत, विनोद साहू, मुकेश मित्तल, महावीर प्रसाद जैन, प्रमोद मंगल, सुशील पटवारी सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे। महासंघ ने सभी व्यापारियों एवं नागरिकों से तय तिथियों के अनुसार त्योहार मनाने और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

श्री कैलादेवी झील का बाड़ा, चैत्र नवरात्र मेला बैठक आयोजित

श्रद्धालुओं के मद्देनजर मेले में हों माकूल व्यवस्थाएं -जिला कलक्टर

सामुदायिक प्रेषण

भरतपुर । जिले के बयाना उपखंड क्षेत्र स्थित राजकीय आत्मनिर्भर मंदिर श्री कैलादेवी झील का बाड़ा में 18 मार्च से 2 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले चैत्र नवरात्र मेले की तैयारियों की बैठक जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्टर कक्ष में आयोजित की गई। जिसमें मेला व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए विभागवार जिम्मेदारियां निर्धारित की गई।जिला कलक्टर ने कहा कि कैलादेवी लक्खी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा, आवागमन एवं मन्दिर में दर्शनों के समय किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पडे। सभी विभाग टीम भावना से कार्य करते हुए दिए गये दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करे। उन्होंने पुलिस विभाग मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल (महिला एवं पुरुष) की तैनाती कर भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, भारी वाहनों का पूर्व डायवर्जन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों एवं नियंत्रण कक्ष से भी व्यवस्थाओं पर निगरानी रखी जाये। उन्होंने नगर पालिका को मेला क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई, कचरा निस्तारण, मोबाइल शौचालय, फायर ब्रिगेड की 24 घंटे उपलब्धता, फॉगिंग एवं कीटनाशक छिड़काव की प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति, अस्थायी कनेक्शन, खुले तारों की सुरक्षा जांच तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा पेयजल की सतत उपलब्धता हेतु पानी की टंकियों की व्यवस्था कर यात्रियों को अलग अलग स्थानों पर उपलब्ध कराया जाये।जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग को मेला स्थल पर चिकित्सक, नर्सिंग

स्टाफ एवं आवश्यक दवाइयों सहित प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित करने तथा 24 घंटे एम्बुलेंस उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मेले में संभावित वीवीआईपी भ्रमण को देखते हुए हेलिपैड मरम्मत एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने, रोडवेज विभाग को अतिरिक्त बसों का संचालन तथा अस्थायी बस स्टैंड की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने ने देवस्थान सहायक आयुक्त को मेले में अस्थायी दुकानों का नियमानुसार आवंटन, छाया, पेयजल, पार्किंग एवं सुगम आवागमन हेतु विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पवित्र कुंडों की सुरक्षा, मंदिर परिसर की स्वच्छता, पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों की समुचित व्यवस्था तथा मेला क्षेत्र में मदिरा एवं मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध लागू किया जाये।इस अवसर पर बयाना उपखंड अधिकारी दीपक मित्तल, पीडब्लूडी अधीक्षण अभियन्ता वीसी मीना, देवस्थान सहायक आयुक्त मुकेश मीना, नगर निगम सचिव विजय प्रताप सिंह, बयाना नगर पालिका ईओ अनीता कुमारी, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत रूपसिंह मीना, सहायक आबकारी अधिकारी लखन व्यास, पीएचईडी सहायक अभियन्ता मनेन्द्र सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन त्रिनेत्र: मक्के की फसल के बीच उगाया जा रहा अवैध गांजा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

प्रतापगढ़। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत रठांजना थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने मक्के के खेत में छिपाकर की जा रही अवैध गांजे की खेती का भंडाफोड़ करते हुए भारी मात्रा में पौधे जब्त किए हैं और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही का विवरण – दिनांक 28 फरवरी 2026 को रठांजना थानाधिकारी विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। गश्त के दौरान जब टीम नयाटापरा पहुंची, तो पुलिस को देखकर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खेतों की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम भैरूलाल (46 वर्ष), निवासी नयाटापरा बताया। जब पुलिस ने उसके भागने का कारण पूछा, तो उसने घबराते हुए स्वीकार किया कि उसने अपने मक्के के खेत के बीच अवैध रूप से गांजे के पौधे उगा रखे हैं।

जब्ती और अनुमानित कीमत – पुलिस ने जब खेत की तलाशी ली, तो वहां मक्के की फसल के बीच छिपाकर लगाए गए 745 अवैध गांजे के पौधे बरामद हुए।

कुल वजन: 63 किलो 210 ग्राम

अनुमानित बाजार मूल्य: लगभग 31 लाख 50 हजार रुपये

पुलिस ने सभी पौधों को मौके से जब्त कर आरोपी भैरूलाल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

सराहनीय पुलिस टीम – इस सफल कार्रवाई में निम्नलिखित पुलिस अधिकारियों व जवानों की मुख्य भूमिका रही:

विजेंद्र सिंह थानाधिकारी, रठांजना, लक्ष्मण सिंह सहायक उप निरीक्षक, अर्जुन सिंह हेड कांस्टेबल, प्रहलाद कांस्टेबल, संदीप कुमार आदि। यह कार्यवाही प्रतापगढ़ पुलिस की नशे के विरुद्ध चल रही मुहिम में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा मनरेगा कानून को खत्म करने पर कांग्रेस का शांति पूर्ण तरीके से गांधीवादी विरोध प्रदर्शन जारी

सामुदायिक प्रेषण

भरतपुर /सह संपादक भीम सिंह राजपूत । बृजनगर विधानसभा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान व असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.उदित राज और विधि प्रकोष्ठ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप पूनिया के निर्देश पर एडवोकेट अशोक कुमार शर्मा जिलाध्यक्ष विधिक मानवाधिकार एवं ऋछढ़ विभाग जिला डीग व जिला चेयरमेन असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस जिला डीग के नेतृत्व में नगर विधानसभा के ग्रामपंचायत चिरावल माली के गांव कुम्हारेडी और नगर कस्बा के वार्ड 35 और वार्ड नंबर 2 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को हटाकर कांग्रेस समर्थित प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गांवों की दशाओ को सुधारने और गरीब परिवारों की अर्थव्यवस्था में सुधार कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लागू किए मनरेगा कानून और मनरेगा योजना को खत्म करने का केंद्र की बीजेपी सरकार के निर्णय का शांतिपूर्ण व गांधीवादी तरीके से विरोध प्रदर्शन किया गया। एडवोकेट अशोक कुमार शर्मा जिलाध्यक्ष विधिक मानवाधिकार एवं ऋछढ़ विभाग जिला डीग व जिला चेयरमेन असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस जिला डीग के द्वारा बताया गया कि कांग्रेस समर्थित यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री काल में लागू मनरेगा कानून व योजना की समाप्ति ग्रामीण रोजगार व ग्रामीण और गरीबों की अर्थव्यवस्था और बेहतर जीवन स्तर का अंत केंद्रीय बीजेपी सरकार का एक षड्यंत्र है ,बीजेपी सरकार के पास गरीब,मजदूरों के लिए कोई योजना नहीं है और ना ही बीजेपी सरकार के पास नए कानून और योजना के तहत बेरोजगारों के लिए रोजगार की कोई गारंटी। ग्रामपंचायत चिरावल माली के गांव कुम्हारेडी और नगर कस्बा के वार्ड 35 और वार्ड नंबर 2 में चौपालें और जनसंपर्क संग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए गए और एडवोकेट अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि मनरेगा में काम करने का संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित था, रोजगार की गारंटी थी, मजदूर को 5 किलोमीटर की स्थानीय सीमा में रोजगार दिया जाता था और 100 प्रतिशत पैसा केंद्र सरकार वहन करती थीं लेकिन अब केंद्र की बीजेपी सरकार ने मनरेगा को खत्म कर जनता के इस कानूनी अधिकार को छीन लिया है अब ग्रामीण रोजगार मिलने की कोई कानूनी गारंटी नहीं रहेगी केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा चुने गए गांव में ही काम मिलेगा अन्यथा सभी गांव में काम नहीं मिलेगा । मनरेगा में 100% भुगतान केंद्र सरकार करती थी इसलिए राज्य सरकार बिना किसी चिंता या कठिनाई के काम उपलब्ध करा देती थी लेकिन अब राज्य सरकारों को मजदूरी का 40% हिस्सा खुद देना होगा अतः खर्च बचाने के लिए हो सकता है वो काम ही उपलब्ध ना कराए अब कहां और क्या काम करेंगे मोदी सरकार अपने पसंदीदा ठेकेदारों के माध्यम से मनमाने ढंग से तय करेगी मजदूरी भी केंद्र की बीजेपी सरकार अपनी मर्जी से मनमाने ढंग से तय करेगी तथा न्यूनतम मजदूरी की कोई गारंटी नहीं रहेगी। फसल कटाई के मौसम में काम नहीं मिलेगा। अब पूरे साल काम की मांग नहीं कर सकते राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को हटाकर मनरेगा की समाप्ति के लिए किए गए बदलाव ग्रामीण रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बुलडोजर चलाकर उसे खत्म करने का केंद्र की बीजेपी सरकार का एक सुनियोजित षड्यंत्र है जिस महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ने गांवो की दशा सुधार दी रोजगार के लिए बाहर जाने वाले लोगों के पलायन को रोककर स्थानीय स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध कराकर गरीब लोगों के आर्थिक स्तर में बहुत अधिक बदलाव किया गावो की अर्थव्यवस्था सुधारकर गरीब लोगों के जीवन स्तर में बदलाव किया और जिस मनरेगा ने कोरोना महामारी के समय लोगो में संजीवनी और ऑक्सीजन जैसी ताकत दी और महामारी में लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार दे उनको भूखा नहीं सोने दिया उसी मनरेगा को केंद्र की बीजेपी सरकार पूजनीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को हटाकर मनरेगा को खत्म करने पर उतारू है। हमारी केंद्र की बीजेपी सरकार से निम्न मांगे हैं केंद्र की बीजेपी सरकार मनरेगा को दोबारा से उसी रूप में लागू करे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को जोड़ा जाए मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपया की जाए,काम के अधिकार ग्राम पंचायत को दिए जाए। जब तक केंद्र की बीजेपी सरकार इन मांगों को पूरा नहीं करती है, तब तक शांति पूर्ण और गांधीवादी तरीके से हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।मनरेगा बचाओ के इस कार्यक्रम में एडवोकेट अशोक कुमार शर्मा ने केंद्र की बीजेपी सरकार के द्वारा कांग्रेस शासन में लागू मनरेगा को खत्म करने के निर्णय को गलत और लोकतंत्र के खिलाफ बताया। साहिल खान ने एस आई आर पर अपने विचार व्यक्त कर प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को अपने बी एल ओ से संपर्क कर अपनी वोट जुड़वाने का आह्वान किया । प्रताप सिंह ने बताया कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने मनरेगा को खत्म कर ग्रामीण जनता के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ किया है।इस अवसर पर ग्राम पंचायत चिरावल माली के गांव कुम्हारेडी और नगर कस्बा के वार्ड 35 और वार्ड नंबर 2 के मनरेगा मजदूर व प्रताप सिंह नौगावा और साहिल खान आदि कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा और जागरूकता ही समाज को बदलने के सबसे बड़े हथियार

सामुदायिक प्रेषण

भरतपुर / सह संपादक भीम सिंह राजपूत । समाज सेविका अंकिता राजपूत द्वारा समाज और देश हित में लंबे समय से निःस्वार्थ भाव से विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे निरन्तर कार्य समाज ओर देश में एक सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित करता हैं उनका मानना है कि समाज में बदलाव लाने के लिए हर छोटा कदम महत्वपूर्ण है। अंकिता राजपूत कई संगठनो में बड़े पदो पर कार्यरत हैं जिसमें वह राष्ट्रीय स्तर की सेवा भी दे रही हैं।ऐसे में इसलिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर की समाज सेविका भी कहा जाता हैं।उनका मानना हैं समाज ओर देश के लिए सेवा देने के लिए जरूरी नहीं कि वह किसी पद पर ही कार्यरत हो।वह खुद को बस एक समाज सेविका के रूप में देखती हैं।अंकिता राजपूत ने अपने जीवन के कई साल विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर काम करने में बिताए हैं,जैसे कि शिक्षा,स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण,निःशुल्क दाह संस्कार, पौधा-रोपण,गौसेवा व दा ब्राइट सोल फाउंडेशन के माध्यम से लावारिस शवों का सम्मानजनक दाह संस्कार के बाद उनकी अस्थियों को हरिद्वार गंगा जी में विसर्जित करवाने में सामर्थ्य अनुसार अपना आर्थिक सहयोग भी करती हैं।अंकिता राजपूत हर दिन दर्जनों केस में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे पीड़ित मरीजो के लिए जिसमें महिला,पुरूष,बच्चे व बुजुर्ग सभी के लिए बिना जाति-भेदभाव के सभी के लिए अपने जीवन रक्षक देवदूत के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान, प्लेटलेट्स दान,प्लाजमा व ग्रांटस दान की निःशुल्क सेवा से सभी उदास चेहरों पर मुस्कान लाकर उनके अंधकारमय जीवन को रोशन करने का कार्य कर रही हैं ओर यह सेवा वह देश के विभिन्न राज्यों में उपलब्ध करवा रही हैं व उनके जीवन रक्षक देवदूत अब तक हजारों मरीजो को ये सेवा देकर उन्हें राहत पहुँचाने का कार्य कर चुके हैं।अंकिता राजपूत स्वैच्छिक नेत्रदान सेवा से भी समाज के लिए कार्य कर रही हैं।अंकिता राजपूत ने स्वयं भी किसी गरीब बच्चे के लिए अपने जीवन उपरांत नेत्रदान करने का संकल्प लिया हैं।अंकिता राजपूत समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का व जिम्मेदारियों का निरन्तर पालन करती आ रही हैं और समाज के प्रति अपने उत्कृष्ट कार्यो से एक अमिट छाप छोड़ रही हैं जिससे समाज के युवा व सभी वर्ग के लोग उनसे प्रेरित होकर समाज में अपनी सेवा देने के लिए आगे भी आते हैं जो समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव हैं।समाज सेविका अंकिता राजपूत एक बेहद कर्मठ,प्रतिष्ठित समाज सेविका हैं जो 24/7 समाज के लिए अपनी सेवा दे रही हैं जहाँ सेवा देने के लिए कोई बहाना नहीं।उन्हें अपने समाज और देश से बहुत लगाव हैं व देश व समाज के लिए कुछ भी करना उन्हें गौरवान्वित महसूस करवाता हैं।देश ओर समाज के लिए उनकी ये सभी सेवायें निःशुल्क हैं जिसके लिए वह किसी से कोई पैसा नहीं लेती हैं।उनका लक्ष्य है कि वह अपने काम के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सके। वह मानती हैं कि शिक्षा और जागरूकता ही समाज को बदलने के सबसे बड़े हथियार हैं।

पुलिस प्रशासन ने ली होलिका उत्सव समितियो की बैठक

सामुदायिक प्रेषण

राजेश भावसार सोयतकलां / सुसनेर । रविवार दोपहर 01:00 बजे सोयत रोड़ स्थित पुलिस थाने पर एसडीओपी देवनारायण यादव व थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस की उपस्थिति में होलिका उत्सव समितियों की बैठक सम्पन्न हुई। प्रशासन ने सभी से अपील की है कि त्योहार को आपसी सौहार्द और सुरक्षा नियमों के साथ मनाएं।साथ ही प्रशासन की गाइड लाइन व आवश्यक दिशा निर्देशों से भी अवगत कराया। इस बार नगर में 18 सार्वजनिक स्थानों पर होलिका दहन होगा।इन सभी जगहों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल भी तैनात रहेगा। पुलिस प्रशासन ने शांति व सुरक्षा के बीच परम्परा का निर्वहन करने की अपील की है।बैठक में होलिका उत्सव समिति सुसनेर की ओर से मार्केटिंग अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह काँवल,सामाजिक कार्यकर्ता विष्णु भावसार,सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया,पार्षद प्रतिनिधि युगलकिशोर परमार,राकेश बिकुंदिया,लखन भावसार,शिवम विश्वकर्मा,मोहन लुहार सहित आदि नगर की विभिन्न होलिका उत्सव समिति के सदस्य उपस्थित थे।

प्रतापगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध शराब परिवहन करते एक अभियुक्त गिरफ्तार, टाटा सुमो सहित भारी मात्रा में शराब जब्त

सामुदायिक प्रेषण

प्रतापगढ़। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों और अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत घंटाली थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक टाटा सुमो कार से भारी मात्रा में अवैध देशी व अंग्रेजी शराब जब्त कर एक युवक को गिरफ्तार किया है।

नाकाबंदी के दौरान हत्थे चढ़ा आरोपी – थानाधिकारी भेमजी गरासिया के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दिनांक 28.02.2026 को बोरी ए के पास नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध टाटा सुमो कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने जब गाड़ी को रुकवाकर चालक से पूछताछ की, तो वह संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाया। तलाशी लेने पर गाड़ी के पिछले हिस्से में अवैध शराब और बियर के कार्टन बरामद हुए।

जब्त सामग्री का विवरण – पुलिस ने मौके से कुल 816 पव्वें अवैध शराब और 96 बोतल व 72 केन अवैध बियर जब्त की है। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई जा रही है।

विस्तृत बरामदगी: 96 बोतल किंगफिशर बियर 72 केन किंगफिशर बियर 48 पव्वे मैकडॉवेल्स 432 पव्वे प्रिंस देशी मदिरा336 पव्वे केम्पा क्लासिक

अभियुक्त की पहचान – पुलिस ने इस मामले में करण (22 वर्ष), पिता सुनील चौधरी, निवासी अचलपुर, थाना सुहागपुरा, जिला प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस टीम की भूमिका – इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी भेमजी गरासिया के साथ हेड कांस्टेबल धीरेंद्र प्रताप सिंह, सोहनलाल, रामजीलाल, बाबूलाल और कांस्टेबल अजय सिंह, गणेशलाल, दिनेशचंद्र व चालक दीनदयाल सिंह की मुख्य भूमिका रही। मीडिया प्रकोष्ठ, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला प्रतापगढ़ (राज.)

जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद (IPS) के निर्देशन में भरतपुर पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल

सामुदायिक प्रेषण

भरतपुर । जिला पुलिस अधीक्षक श्री दिगंत आनंद (IPS) के निर्देशन में भरतपुर पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की गई है। पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध शराब तस्करी और सट्टेबाजी के आरोप में कुल 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

1. अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई (थाना चिकसाना)

थाना चिकसाना पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को बिना लाइसेंस अवैध शराब ले जाते हुए गिरफ्तार किया।

आरोपी: 1. नीतेश पुत्र मनोज कुमार (21 वर्ष), निवासी नगला बरेला।

2. रविन्द्र सिंह पुत्र श्रीकृष्ण गोपाल (32 वर्ष), निवासी ग्राम बहनेरा।

बरामदगी: इनके कब्जे से क्रमशः 57 और 54 (कुल 111) पव्वा अवैध देशी शराब जब्त की गई।

धाराएं: आरोपियों के विरुद्ध धारा 19/54 आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

2. सट्टेबाजों के खिलाफ कार्रवाई (थाना गहनौलीमोड)

थाना गहनौलीमोड पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर सट्टा खेलते हुए दो व्यक्तियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपी: 1. इरफान पुत्र बरकत (22 वर्ष), निवासी खानुआ।

2. फारुक पुत्र फकीर मोहम्मद (30 वर्ष), निवासी खानुआ।

बरामदगी: पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1000 रुपये नकद और सट्टा उपकरण बरामद किए हैं।

प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान के तहत लुधावई में दिलाई गई शपथ

सामुदायिक प्रेषण

भरतपुर । जिले की ग्राम पंचायत लुधावई में प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान के अंतर्गत औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान राजीविका महिला समूहों एवं ग्रामीणों को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई गई। अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्लास्टिक थैलों के स्थान पर कपड़े एवं जूट के थैले तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सांस्कृतिक एवं निजी कार्यक्रमों में प्लास्टिक के बर्तनों के स्थान पर बर्तन बैंक के बर्तनों का उपयोग करने की जानकारी दी गई और इसके प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रभारी अधिकारी राधेश्याम गुर्जर, जिला परियोजना समन्वयक विमल कुमार शर्मा तथा पंचायत समिति सेवर के अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्राम के निर्माण हेतु सामूहिक सहयोग पर बल दिया।

पचवारा के सुपर मीणावाटी गायक कलाकार मुलीराम भैयपुर की मूर्ति का आज होगा अनावरण

सामुदायिक प्रेषण

नांगल राजावतान/रोशन लाल मीणा । दौसा जिले के उपखण्ड नांगल राजावतान के अभयपुरा निवासी मूलचन्द मीणा जो मीणा वाटी गायन कला के सुपर हिट गायक कलाकार जो अपनी गायक कला से सभी को प्रभावित करते थे और उनके नाम से नईनाथ धाम के दरबार मे गायन और उनकी पहचान से पचवारा, राजौटी, नेहड़ा और चाकसू के गायक कलाकारों का दो दिन तक मेला लगता था ऐसी महान अस्थि मूलचंद मीणा अभयपुरा का पिछली साल 2025 मे होली के दिन देहांत हो गया था उनके एक वर्ष की पुण्यतिथि पर आज होगा मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम। जिसमे पचवारा,राजौटी, नेहड़ा,चाकसू,जयपुर,अलवर,सवाई माधोपुर,दौसा,टोक के मीणा वाटी गायक कलाकारों द्वारा शानदार संस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम मे बाहर से भी कई नेता, अधिकारी, व कर्मचारीगण पधारेंगे। साथ ही कार्यक्रम मे भामाशाहो का सम्मान भी किया जायेगा।

बेटी ने दी पिता को मुखाग्नि नम आंखों से दी अंतिम विदाई

सामुदायिक प्रेषण

राजेश भावसार सोयतकलां। सुसनेर।नगर के रिटायर्ड शिक्षक बसंती लाल सोनी का 92 वर्ष की आयु में आज दुःखद निधन हो गया।उनके निधन से नगर में शोक की लहर व्याप्त है।वे लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देते रहे और अपने सरल स्वभाव,अनुशासन तथा उच्च आदर्शों के लिए जाने जाते थे।उनकी अंतिम यात्रा में एक भावुक दृश्य देखने को मिला,जब उनकी बेटी गिरजा सोनी ने पिता की अर्थी को कंधा दिया।और मुक्तिधाम पहुंचकर पूरे विधि-विधान से मुखाग्नि दी।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह की आंखें नम हो गई।पोते नरेश सोनी ने भी अंतिम संस्कार की रस्मों में सहभागिता निभाई।मुक्तिधाम पर आयोजित शोक सभा में पत्रकार संघ अध्यक्ष मांगीलाल सोनी एवं सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया सहित नगर के गणमान्य नागरिकों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।वक्ताओं ने स्व.बसंती लाल सोनी के सादगीपूर्ण जीवन,से शिक्षा के प्रति समर्पण और समाज सेवा के कार्यों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला।परिवारजनों ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।नगरवासियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं, दुबई जाने वालों पर बीजेपी सांसद का विवादित तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भी इजरायल और ईरान के बीच जंग थमती नहीं दिख रही है। सऊदी अरब से लेकर यूएई और कुवैत से लेकर बहरीन तक ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। ऐसे में बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने भारतीय पासपोर्ट छोड़कर मिडिल ईस्ट में बसने वाले भारतीयों पर तंज कसा है और मोदी सरकार की तारीफ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत दुबे ने कहा है कि अपना भारतीय पासपोर्ट छोड़कर दुबई जाने वाले लोगों के लिए सबक, मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं। लम्बे लम्बे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आसान है। दुबे का यह कमेंट ऐसे समय आया है, जब ईरान लगातार दुबई को भी अपनी मिसाइलों के जरिए निशाना बना रहा है। बता दें पिछले कुछ सालों में ऐसे कई मामले सामने आए जब भारतीय नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर अमेरिका, ब्रिटेन या दुबई की नागरिकता हासिल कर ली है। बता दें दुबई अपना अंतरराष्ट्रीय लेवल और ऊंचा करने के लिए दुनियाभर से अमीर और फेमस लोगों को दुबई आकर बस जाने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसे लोगों को दुबई अपने यहां की नागरिकता भी देता है। आकर्षक ऑफर्स को देखते अलग-अलग देशों से बड़ी तादाद में लोग अपनी नागरिकता छोड़कर दुबई की नागरिकता ले लेते हैं।

अखिलेश यादव ने आई-पैक के साथ डील की फाइनल

-बंगाल चुनाव के बाद यूपी में ग्राउंड पर उतरेगी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक साल बाकी है। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में बढ़त के बाद सपा उत्साहित है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने कैंपेन को संभालने के लिए पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक को हायर किया है। दोनों कैंप के सूत्रों ने कन्फर्म किया कि यह डील इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में फाइनल हुई थी। आई-पैक को जन सुराज लीडर प्रशांत किशोर ने को-फाउंड किया था। आई-पैक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आने वाले चुनावों के बाद सपा के लिए काम शुरू करेगी।

बंगाल के बाद शुरू होगा काम

आई-पैक के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हमारा ज्यादातर वर्कफोर्स अभी पश्चिम बंगाल में असेंबली इलेक्शन के लिए इकट्ठा है। हालांकि शुरुआती मीटिंग्स हो चुकी हैं, लेकिन ज्यादातर काम उत्तर प्रदेश में बंगाल इलेक्शन के बाद ही शुरू होगा। हमारे एक डायरेक्टर विनेश चंदेल वहां टीम को हेड करेंगे।

आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जंगल के बीच चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई।

टांडा के जंगल में हाथी से टकराई बाइक, दो भाईयों की मौत

हल्द्वानी (एजेंसी)। टांडा जंगल में हाथी से दोपहिया वाहन टकरा गया। इससे दोपहिया वाहन सवार सड़क पर गिर गए, जिसमें एक मौत हो गई। जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से शाहजहांपुर कटरा और वर्तमान में बनभूलपुरा के गफूर बस्ती निवासी शकील (26) और जाफर (28) शनिवार की शाम हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान टांडा रोड स्थित हाथी कारिडोर में उनके वाहन के सामने अचानक हाथी आ गया, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वाहन चल रहे शकील के सिर में चोट लग गई। साथ ही पीछे बैठे जाफर भी सड़क हादसे में घायल हो गया। सड़क हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां शकील को मृत घोषित कर दिया, जबकि जाफर को हायर सेंटर भेजा, जिसपर बरेली ले जाते वक्त रास्ते में जाफर ने भी दम तोड़ दिया। लोगों ने बताया की दोनों रिश्ते के भाई थे। जो हल्द्वानी में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी व कपड़ों की फेरी करते थे घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, डोडा ज़िले में 4.2 तीव्रता से कांपी धरती

जम्मू (एजेंसी)। रविवार तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर का डोडा ज़िला भूकंप के झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर 4.2 मैग्नीट्यूड की तीव्रता वाले इस भूकंप ने पहाड़ी इलाके के निवासियों में दहशत पैदा कर दी, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जैसे ही सुबह हुई, परेशान लोकल लोग हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, उन्हें हिमालय की ठंडी हवा के बीच अपने पहाड़ी गांवों को सही-सलामत पाकर राहत मिली।

पुरानी रंजिश में मारपीट करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग डिटेन

सामुदायिक प्रेषण

प्रतापगढ़। जिला पुलिस ने शहर के आम रोड पर हुई मारपीट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में शामिल एक नाबालिग को भी पुलिस ने संरक्षण में लिया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गजेन्द्र सिंह जोधा के मार्गदर्शन में थानाधिकारी शम्भुसिंह की टीम द्वारा की गई। घटना 26 फरवरी 2026 की है। प्रार्थी नारायण मेघवाल (निवासी सेमलोपुरा) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अंकित, बबलू, दीपक और अन्य ने दुकान पर जाकर उनके बेटे के साथ लाठियों से मारपीट की। शोर मचाने पर बीच-बचाव करने आए राजेश और प्रवीण के साथ भी मारपीट की गई और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

पुलिस के अनुसार, इस हमले के पीछे प्रेम प्रसंग की रंजिश मुख्य वजह थी। आरोपी अंकित की बहन का संदीप (प्रार्थी के रिश्तेदार) के साथ प्रेम प्रसंग होने के कारण अंकित काफी नाराज था। इसी का बदला लेने के लिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस पूरी घटना की योजना बनाई थी।

पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी – मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी शम्भुसिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर दबिश देकर निम्नलिखित आरोपियों को गिरफ्तार किया:

गौतम उर्फ लक्की मीणा (19 वर्ष) - निवासी कच्ची बस्ती, बगवास।

बबलू उर्फ कांतिलाल मेघवाल (22 वर्ष) - निवासी खोरिया।

अंकित रैदास (22 वर्ष) - निवासी साकरिया (हाल मालीखेड़ा)।

नितिन मेघवाल (23 वर्ष) - निवासी अमलावद।

चमन रैदास (19 वर्ष) - निवासी विरावली।

इनके साथ ही हमले में शामिल एक नाबालिग को भी पुलिस ने डिटेन किया है। पुलिस पूछताछ में सभी आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

टीम की भूमिका – इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी शम्भुसिंह, उपनिरीक्षक रामावतार, कृष्णलाल, हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार, गुमानाराम और कांस्टेबल गोविन्द की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब मामले में अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

धरियावद पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 3 साल से फरार दो इनामी वारंटी गिरफ्तार

सामुदायिक प्रेषण

प्रतापगढ़। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत धरियावद थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने करीब 3 वर्षों से फरार चल रहे दो वांछित अभियुक्तों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मामला 8 जून 2022 का है। पीड़ित नागेश (पुत्र स्व. भेरूलाल मीणा, निवासी पांचागुडा) ने पुलिस को बताया था कि वह अपनी मोटरसाइकिल लेकर गुमानपुरा गया था। वहां अरविंद कोटेड नामक व्यक्ति ने पुरानी रंजिश के चलते उसे अपने घर बुलाया। वहां पहले से मौजूद अरविंद और उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने पीड़ित पर लाठियों और घूंसों से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। इस घटना के संबंध में थाना धरियावद पर प्रकरण संख्या 242/2022 के तहत धारा 143, 341, 323 और 392 भादस में मामला दर्ज किया गया था। तभी से पुलिस इन आरोपियों की तलाश कर रही थी।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी पिछले 3 सालों से अपनी पहचान छिपाकर फरार चल रहे थे:

राजीव पिता सुरेश, निवासी गुमानपुरा, थाना धरियावद।

नन्दलाल पिता कन्हैयालाल, निवासी गुमानपुरा, थाना धरियावद।

पुलिस टीम की भूमिका

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम का नेतृत्व धरियावद थानाधिकारी (आरपीएस प्रशिक्षु) राहुल गोयल और हजारीलाल मीणा (पु.नि.) ने किया। टीम में सेजल शेखावत, सुहासी जैन, अब्दुल कादिर, भीमराज, रमेशचन्द्र और शिवलाल जैसे जांबाज पुलिसकर्मी शामिल रहे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह जोधा और पुलिस उप अधीक्षक नानालाल ने इस पूरी कार्रवाई का मार्गदर्शन किया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह की धरपकड़ आगे भी जारी रहेगी।

यूएस-इजराइल हमले में मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय को बचाए सरकार

-कांग्रेस ने की सरकार से इस युद्ध को खत्म करने में मदद की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस ने भारत सरकार से इस युद्ध को तुरंत खत्म करने और पश्चिम एशिया में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की अपील की है। बता दें इस भयानक युद्ध के बीच कई भारतीय मिडिल ईस्ट में फंसे हुए हैं। हालांकि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हफ्तों तक राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ डिप्लोमेसी और बातचीत का दिखावा करते रहे हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू और अमेरिका में कट्टरपंथियों के उकसाने पर उन्होंने शासन बदलने के मकसद से एक सैन्य हमला शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हमले की निंदा करती है और सरकार से इस वॉर को खत्म करने में मदद करने की अपील करती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती दुश्मनी चिंताजनक है। पूरे मिडिल ईस्ट में हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी के इजराइल दौरे को शर्मनाक और गलत समय पर बताया और कहा कि इससे मिलिट्री बढ़ोतरी को राजनीतिक समर्थन मिलने का एहसास होता है। रमेश ने कहा कि मोदी के इजराइल दौरे का जश्न मनाने के दो दिन बाद, इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर मिलकर हमला शुरू कर दिया।

बिहार की हार से सीख लेकर कांग्रेस और डीएमके में बनी सहमति, सीट बंटवारे का फॉर्मूला तैयार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की सियासत में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही गठबंधन की तस्वीर अब साफ होने लगी है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीटों का गतिरोध खत्म होता दिख रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के कड़वे अनुभवों से बड़ी सीख ली है। बिहार में महागठबंधन के बीच अंतिम समय तक सीट बंटवारा न हो पाने और कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट के कारण मिली करारी हार को देखते हुए, इस बार तमिलनाडु में कांग्रेस ने व्यावहारिक रुख अपनाया है।

डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गठबंधन को एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीएमके ने दो मुस्लिम दलों के साथ समझौता पक्का कर लिया है। पार्टी मुख्यालय में हुई घोषणा के अनुसार, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मनिधनेया मक्कल कत्ची (एमएमके) को दो-दो विधानसभा सीटें आवंटित की गई हैं। आईयूएमएल अपने पारंपरिक 'सीढ़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एमएमके के उम्मीदवार डीएमके के 'राइजिंग सन' सिंबल पर मैदान में उतरेंगे। यह कदम अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश माना जा रहा है। कांग्रेस के साथ भी बातचीत अब सकारात्मक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस शुरुआत में 35 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 27 या 28 सीटों और राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट पर समझौता होने की प्रबल संभावना है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थगई ने संकेत दिए हैं कि डीएमके के साथ बातचीत सौहार्द्रपूर्ण रही है और कांग्रेस का गठबंधन अटूट है। पार्टी ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि कांग्रेस किसी अन्य दल (जैसे टीवीके) के संपर्क में है।

दूसरी तरफ, विपक्षी खेमे यानी एनडीए में फिलहाल अनिश्चितता का माहौल है। ओ. पन्नीरसेल्वम के डीएमके के पाले में जाने की चर्चाओं के बीच एनडीए में अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हो पाया है, जिससे वे फिलहाल दोराहे पर खड़े नजर आ रहे हैं। डीएमके की योजना है कि 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य स्तरीय सम्मेलन से पहले सभी सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले ले। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्टालिन सोमवार 2 मार्च 2026 को राज्यसभा सीटों और उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर दिल्ली रवाना हो चुके हैं, जहां हाईकमान की मुहर लगते ही इस समझौते का औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। विदुथलाई चिरुथैगल कत्ची (वीसीके) जैसे अन्य छोटे दलों के साथ भी सोमवार को चर्चा होनी है। एमके स्टालिन की रणनीति साफ है—सहयोगी दलों को उनकी जमीनी ताकत के हिसाब से सीटें देकर गठबंधन को नियंत्रित रखना और चुनाव प्रचार में किसी भी प्रकार की देरी या असमंजस से बचना। अब देखना यह होगा कि बिहार की गलतियों से सबक लेकर बनाया गया यह मजबूत गठबंधन आगामी चुनाव में कितनी सफलता हासिल करता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ताजा घटनाओं पर जताई चिंता, दोनों पक्ष संयम बरतें

भारत ने जारी की एडवाइजरी भारतीय सतर्क रहें और मिशनों के संपर्क में रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मिडिल ईस्ट में हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि सभी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ताजा घटनाओं से बहुत चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की गुजारिश करते हैं। सभी पक्षों को डायलॉग और डिप्लोमेसी का रास्ता अख्तियार करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में हमारे मिशन सभी भारतीय नागरिकों के साथ हैं और एडवाइजरी जारी कर कहा गया है कि वे सतर्क रहें, मिशनों के संपर्क में रहें और स्थानीय सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन करें। पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए भारत ने ना केवल ईरान और इजराइल बल्कि दूसरे देशों के लिए भी सलाह जारी की है। बता दें ईरान को लेकर भारत सरकार पहले से ही तीन एडवाइजरी जारी कर चुकी है। इजराइल में कुल दस हजार भारतीय रहते हैं जिनमें से चार हजार छात्र हैं।

भारतीय दूतावास ने कतर में रहने वाले सभी भारतीयों से उचित सावधानी बरतने के लिए कहा है। सैन्य स्थानों से दूर रहने और घरों के अंदर रहने को कहा है। यूएई और फलस्तीन स्थित भारतीय मिशनों ने अडवाइजरी जारी कर भारतीयों से सावधान रहने को कहा है। माना जा रहा है कि हालात अगर बिगड़ते हैं तो भारत अपने नागरिकों को निकालने के लिए इवैक्युएशन ड्राइव की अगुवाई कर सकता है। भारत के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र अहम है। इस क्षेत्र में क़रीब 9-10 मिलियन भारतीय रहते हैं। यही वजह है कि दो दिन पहले ही इजराइल में पीएम मोदी ने कहा था कि मध्य एशिया की स्थिरता और शांति से भारत के हित जुड़े हैं। उन्होंने डायलॉग और डिप्लोमेसी से सभी विवादों को हल करने के लिए कहा था।

साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई: 11 राज्यों में छापेमारी कर 27 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम जिला साइबर सेल ने डिजिटल ठगी करने वाले गिरोहों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी देशव्यापी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के तहत देश के 11 राज्यों में एक साथ छापेमारी की, जिसमें कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के माध्यम से पुलिस ने करीब 10 बड़े मामलों का खुलासा किया है, जिनमें मासूम लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई थी।

जांच में सामने आया है कि इन मामलों में सीधे तौर पर 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई है। हालांकि, जब पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों और वित्तीय दस्तावेजों की गहराई से पड़ताल की, तो उसमें करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। पुलिस को अंदेशा है कि यह राशि देश के अलग-अलग हिस्सों में की गई अन्य साइबर ठगी से जुड़ी हो सकती है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने इस सफलता की जानकारी साझा करते हुए बताया कि साइबर सेल की टीम लंबे समय से ठगी की शिकायतों पर तकनीकी जांच कर रही थी। डेटा विश्लेषण और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एक साथ दबिश देकर इन जालसाजों को दबोचा गया।

पकड़े गए आरोपियों का जाल काफी फैला हुआ था। ये लोग मुख्य रूप से निवेश के नाम पर झांसा देने, मोबाइल में खतरनाक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाकर डेटा चोरी करने, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए फर्जी स्कीम चलाने और क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से अपराध में इस्तेमाल होने वाली भारी सामग्री भी बरामद की है। बरामद सामान में 25 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 20 बैंकिंग कार्ड (डेबिट/क्रेडिट), एक पीओएस मशीन, एक बाइक और भारी मात्रा में बैंक दस्तावेज व चेकबुक किट शामिल हैं। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य नामों और ठगी गई रकम की बरामदगी की जा सके।

गोकुल में छड़ीमार होली: गोपियों ने पुलिस ही नहीं विदेशी सैलानियों पर भी बरसाईं छड़ियां

-दुल्हन की तरह सजी महिलाएं, श्रीकृष्ण-बलराम के बाल रूप पर खेला रंग

मथुरा (एजेंसी)। ब्रज के गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली की धूम रही, जिसमें महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप पर रंग और छड़ियों की वर्षा करती दिखाई दीं। इस बार गोपियों ने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बड़ी संख्या में आए विदेशी सैलानियों और पुलिसकर्मियों को भी दनादन छड़ियों की झड़ी से नवाज़ा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने इस मौके पर राधा-कृष्ण बने कलाकारों के साथ मंच पर डांस कर कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले दोपहर 12:30 बजे नंदभवन से भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला, जिसमें कन्हैया और बलराम के बाल रूप सवार थे। लोग डोले के आगे-पीछे रंग-गुलाल उड़ाते हुए मस्ती में चलते दिखाई दिए। रास्ते में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया, फूल, रंग और अबीर से डोले को सजाया गया। चौराहों पर बड़े स्टेज तैयार किए गए, जिन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करती रहीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे।

छड़ीमार होली की परंपरा

गोकुल में छड़ीमार होली का प्रचलन सदियों पुराना है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने यहीं बाल लीलाएं की थीं। इस खेल में उपयोग की जाने वाली छड़ियों पर गोटेदार कपड़ा लपेटा जाता है, जिससे चोट नहीं लगती। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली की तरह गोकुल की इस परंपरा में भी महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इस बार की होली में नंदगांव और बरसाना के आयोजनों की याद भी ताजा हो गई थी, जहां राधारानी की सखियों और श्रीकृष्ण के सखाओं के बीच रंगीन छड़ीमार का खेल हुआ।

गोकुल में छड़ीमार होली देखने आए लोगों ने इसे अत्यंत रोचक और जीवंत उत्सव बताया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उत्सव की अद्भुत झलक ने इसे और भी यादगार बना दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक ओमप्रकाश जांगिड़ के लिए स्काईटेक प्रिंटर से मुद्रित एवं प्लॉट नंबर 244 श्याम नगर विस्तार सांगानेर से प्रकाशित फोन नंबर 9784657775 सहायक संपादक, धर्म सिंह गुर्जर, पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार ईमेल samudayaknews@gamil.com संपादकीय कार्यालय 105, डीपी कार्प ओके प्लस बिल्डिंग, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर